ISBN : 978-93-7029-355-7

दिसम्बर, 2025 | वर्ष, 04 | अंक, 12

आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

प्रकाशक

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर-273007 (उ.प्र.)

सम्पादक
डॉ. विमल कुमार दूबे (प्रधान संपादक)
डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय (संपादक)

संस्करण
संस्करण : 2025
पृष्ठ : 00
आकार : A4

प्रकाशन
महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर
उत्तर प्रदेश – 273007
फोन : 9999764424, 8765005177
ईमेल : mguniversitygkp@mgug.ac.in

सम्पादकीय

भगवद्गीता : एक आध्यात्मिक आरोग्यपरक दृष्टि

हर वर्ष मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी के पावन दिन मनाई जाने वाली गीता जयंती केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि जीवन-साधना का उत्सव है। यह वह दिन है जब मनुष्य स्वयं से प्रश्न पूछता है। मैं कौन हूँ ? मेरा उद्देश्य क्या है ? और जीवन के संघर्षों में संतुलन कैसे बनाए रखूं,, गीता इन प्रश्नों का समाधान प्रस्तुत करती है। गीता जीवन का स्वास्थ्य-शास्त्र भी है। आरोग्य पथ के पाठकों के लिए गीता का संदेश विशेष रूप से प्रासंगिक है क्योंकि यह शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक तीनों स्तरों पर स्वास्थ्य का मार्ग दिखाती है। स्वस्थ वहीं है जो स्व में स्थित हैं अतः भगवद्गीता से अच्छा मार्गदर्शक कोई नहीं हो सकता। आधुनिक विज्ञान जहाँ मनोदैहिक रोगों को स्वीकार करता है, वहीं गीता हज़ारों वर्ष पूर्व ही मन की शांति को स्वास्थ्य का आधार घोषित कर चुकी है। यह मनोबल का दिव्य ग्रन्थ है। गीता कहती है। योगः कर्मसु कौशलम। (2.50)

कर्म में कौशल तभी आता है जब मन संतुलित हो। तनाव, भय, अवसाद ये सब मन की प्रज्ञा को भ्रमित करते हैं। श्रीकृष्ण का उपदेश हमें यह सिखाता है कि कार्य का परिणाम ईश्वर को समर्पित कर मन को हल्का किया जाए। छठवें अध्याय में वर्णित ध्यानयोग आधुनिक माइंडफुलनेस मेडिटेशन से कहीं आगे की प्रक्रिया है। युञ्जन्नेवं सदात्मानं योगी निरवधिर्नरः। नियमित ध्यान से उच्च रक्तचाप, अनिद्रा, चिंता और मानसिक थकान में आश्चर्यजनक लाभ मिलता है। गीता का योग शरीर-मन को एकाकार कर तनाव को मूल से शान्त करता है। भगवद्गीता गीता में सात्त्विक आहार को आयुः, बल, स्वास्थ्य, सुख और प्रीति देने वाला कहा गया है। यह आज के न्यूट्रिशन साइंस से पूर्णतः संगत है। प्राकृतिक, कम मसाले वाला, हल्का और पवित्र आहार शरीर की रोग-प्रतिराधक क्षमता को बढ़ाता है। अर्जुन विषाद से ग्रस्त थे ठीक वैसे ही जैसे आज का मनुष्य दायित्वों के बोझ, करियर की स्पर्शा और संबंधों की उलझनों में घिरा हुआ है।

श्रीकृष्ण ने सिखाया कि कर्तव्य से पलायन रोग को बढ़ाता है, जबकि समत्व-भाव से किया गया कर्तव्य मन और शरीर दोनों को शक्तिशाली बनाता है। कर्तव्य और स्वास्थ्य में भगवद्गीता का संतुलन प्रदर्शित करती है। सुखदुःखे समे कृत्वा लाभालाभौ जयाजयौ। सुख.दुःख, लाभ-हानि जय-पराजय में एक समान रहें। जीवन में समता आ जाए तो जीवन सफल हो जाता है। यही समत्व का उपदेश तो आयुर्वेद शास्त्र भी करते हैं। इस समत्व का अभ्यास आज के जीव-शैली से जनित रोगों में औषधि के समान है। आध्यात्मिकता और स्वास्थ्य का एक समन्वित दृष्टिकोण का अद्भुत ग्रन्थ भगवद्गीता है। गीता केवल मोक्ष का मार्ग नहीं दिखाती, बल्कि जीवन कुशलता का विज्ञान भी है। आरोग्य का अर्थ केवल रोग का अभाव नहीं बल्कि सम्यक् आहार, सम्यक् विचार, सम्यक् कर्म और सम्यक् चित्त है। गीता इन सभी को संतुलित कर समग्र स्वास्थ्य का सूत्र देती है। भगवद्गीता की कुछ आरोग्यपरक शिक्षाएँ-भावनाओं पर नियंत्रण, अहिंसा, शान्ति, दया, करुणा मानसिक शांति के मूल तत्व हैं। दृढ़ निश्चयः अभ्यासेन तु भगवद्गीता कहती है.नियमित अभ्यास से मन स्थिर होता है। सकारात्मक दृष्टिः मद्भावमागता (4.10) ईश्वरभाव मानसिक विषाक्तता को दूर करता है। स्वस्थ दिनचर्याः योग, ध्यान, सात्त्विक आहार और संतुलन-गीता के चार स्तम्भ हैं। तेजी से बदलती जीवनशैली में जहाँ तनाव, अवसाद और शारीरिक रोगों की संख्या बढ़ती जा रही है, वहाँ गीता जयंती हमें स्मरण कराती है कि समाधान बाहर नहीं, भीतर है। डिजिटल व्यसन के युग में गीता मन का रीसेट बटन है। राजनीतिक-आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच गीता शौर्य और विवेक देती है। स्वास्थ्य संकटों के बीच गीता उम्मीद और संतुलन देती है। गीता जयंती का संदेश यह है कि मनुष्य स्वयं को पहचानकर, अपने कर्तव्य को स्वीकार करके और योग-साधना से मन को स्थिर करके न केवल आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त करता है, बल्कि समग्र आरोग्य भी प्राप्त करता है। यही कारण है कि गीता केवल एक ग्रंथ नहीं लाइफ कैंपस का हैंडबुक है। 'तस्माद्योगी भव अर्जुन।' से अर्जुन तू योगी बन जा। भगवान कृष्ण का यह उपदेश अर्जुन के लिए था जो आज के हर पाठक के लिए उतना ही आवश्यक है जितना कुरुक्षेत्र में अर्जुन के लिए था। जहां अर्जुन नर के अवतार कहे जाते हैं तो वहीं नारायण के अवतार कृष्ण हैं। आप नरोत्तम बनिए सखा रूप में भगवान नारायण कृष्ण आपके जीवन रूपी रथ पर स्वयं सारथी रूप में मिलेंगे। जहाँ योगेश्वर भगवान् श्रीकृष्ण हैं और जहाँ गाण्डीव धनुषधारी अर्जुन हैं, वहाँ ही श्री, विजय, विभूति और अचल नीति और अचल स्वास्थ्य है।

यत्र योगेश्वरः कृष्णो यत्र पार्थो धनुर्धरः।
तत्र श्रीर्विजयो भूतिर्ध्रुवा नीतिर्मतिर्मम॥' -भगवद्गीता 18.78

माह विशेष

विश्व एड्स दिवस

एड्स ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस नामक वायरस के कारण होता है, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर कर देता है, जिससे शरीर संक्रमणों से नहीं लड़ पाता और अंततः अवसरवादी संक्रमण के कारण बीमारियाँ होती हैं और मृत्यु भी हो सकती है, यह असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित सुइयों के साझा उपयोग, संक्रमित रक्त के संपर्क और माँ से बच्चे में गर्भावस्था/स्तनपान के दौरान फैलता है।

विश्व एड्स दिवस हर साल 1 दिसंबर को मनाया जाता है। इसकी शुरुआत 1988 में विश्व स्वास्थ्य संगठन और संयुक्त राष्ट्र द्वारा संयुक्त रूप से की गई थी। इसका उद्देश्य एचआईवी/एड्स के बारे में जागरूकता फैलाना, गलत धारणाओं को दूर करना और एचआईवी से पीड़ित लोगों के प्रति सहानुभूति पैदा करना था। यह दिन दुनिया भर के लोगों को याद दिलाता है कि एड्स केवल एक स्वास्थ्य समस्या ही नहीं, बल्कि एक सामाजिक और मानवीय मुद्दा भी है जिसके लिए सभी को मिलकर काम करना चाहिए। समय के साथ, विश्व एड्स दिवस एक वैश्विक आंदोलन बन गया है, जहाँ सरकारें, गैर-सरकारी संगठन, स्वास्थ्य संस्थान और आम लोग एड्स के खिलाफ एकजुटता दिखाने के लिए एकजुट हो रहे हैं। हर साल इस दिन एक नई थीम तय की जाती है, जो एड्स से जुड़ी वर्तमान चुनौतियों पर केंद्रित होती है। इसका उद्देश्य एचआईवी की रोकथाम, उपचार तक पहुँच और रोगियों के अधिकारों की सुरक्षा को बढ़ावा देना है ताकि 2030 तक एड्स को एक सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में समाप्त किया जा सके। विश्व एड्स दिवस थीम 2025 और 2026 दोनों के लिए 'पुनर्विचार' ''पुनर्निर्माण और उत्थान'' विषय चुनकर, अंतर्राष्ट्रीय एड्स सोसायटी (आईएएस) एक ऐसा शक्तिशाली संदेश देना चाहती है जो स्थानीय कार्यकर्ताओं और वैज्ञानिकों से लेकर सरकारों और वैश्विक संगठनों तक, एचआईवी के खिलाफ काम करने वाले सभी लोगों को जोड़े। पुनर्विचार का अर्थ है, देशों को केवल विदेशी सहायता पर निर्भर रहने के बजाय अपने संसाधनों का अधिक निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करके दीर्घकालिक वित्तीय मजबूती पर ध्यान केंद्रित करना। पुनर्निर्माण का अर्थ है स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों, अनुसंधान स्वतंत्रता और नागरिक समाज समूहों की सुरक्षा के लिए प्रयासों को नवीनीकृत करना, तथा यह सुनिश्चित करना कि सभी निर्णय गलत सूचना पर नहीं, बल्कि वास्तविक साक्ष्य पर आधारित हों। उत्थान का अर्थ है पूर्णतः वित्तपोषित, जन-केन्द्रित दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ना, जो पिछली उपलब्धियों की रक्षा करता है तथा हमें 2030 तक एड्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा मानकर उसे समाप्त करने के करीब ले जाता है। साल 2025 के लिए एड्स दिवस का नारा विघटन पर काबू पाना, एड्स प्रतिक्रिया में बदलाव लाना हैं।

यद्यपि एड्स (एक्वायर्ड इम्यूनोडेफिशिएंसी सिंड्रोम) पूरी तरह से ठीक नहीं हो सकता, फिर भी आधुनिक चिकित्सा उपचार से इसका प्रभावी ढंग से प्रबंधन किया जा सकता है। चिकित्सा का लक्ष्य एचआईवी वायरस को नियंत्रित करना, प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करना और कमजोर प्रतिरक्षा के कारण होने वाले संक्रमणों को रोकना या उनका इलाज करना है। अच्छा पोषण, सीडी4 काउंट की नियमित निगरानी और सहवर्ती बीमारियों (जैसे हेपेटाइटिस या एनीमिया) का प्रबंधन आवश्यक है। आज, एचआईवी के विरुद्ध विश्व की लड़ाई एक निर्णायक मोड़ पर है। राजनीतिक तनाव और धन की कमी के कारण वर्षों की प्रगति खतरे में है। 'पुनर्विचार करें। पुनर्निर्माण करें। उठ खड़े हों' विषयवस्तु कार्रवाई का एक सशक्त आह्वान है, जो वैश्विक समुदाय को इन नई चुनौतियों से निपटने के लिए एकजुट, सशक्त और नवोन्मेषी बने रहने की याद दिलाती है।

संस्थापक सप्ताह समापन समारोह में संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति व माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

दिनांकः 10 दिसम्बर, 2025 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि आज युवाओं के सामने दो चुनौतियां सामने हैं। एक ड्रग्स का नशा और दूसरा मोबाइल या स्मार्टफोन का नशा। इन दोनों नशों से बचना होगा। इनसे युवा जितना बच पाएंगेए उतना ही खुद को और देश के भविष्य को भी बचा पाएंगे। नशे से बचकर ही युवा अपने परिवारए समाज और राष्ट्र के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन कर पाएंगे।

सीएम योगी बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 93वें संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन पर आयोजित मुख्य महोत्सव की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने युवाओं को मोबाइल फोन के नशे से दूर रहने की सलाह दी। एक शिक्षक और अभिभावक के रूप में मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि आपको सतर्क रहना होगा क्योंकि नशा माफिया तेजी के साथ युवा पीढ़ी को अपनी चपेट में लेने का कुत्सित प्रयास करता है। अकादमिक संस्थाओं को भी इसके प्रति उतना ही अलर्ट रहना पड़ेगा। सीएम योगी ने कहा कि युवाओं को इसके खिलाफ एक नई लड़ाई लड़ने के लिए अपने आप को तैयार करना पड़ेगा क्योंकि देश का दुश्मन किसी न किसी रूप में आपके बीच में घुसना चाहता है। उसको हम अवसर न दें।

मस्तिष्क को कुंद कर देगा स्मार्टफोन का अत्यधिक उपयोगः मुख्यमंत्री ने कहा कि स्मार्टफोन पर युवाओं का अत्यधिक समय खर्च हो रहा है, इसको कम करना होगा। उन्होंने युवाओं को समझाया, हालांकि एकाएक यह कर पाना कठिन होगा, इसलिए धीरे–धीरे कम करिए। आवश्यक हो तभी आधा या एक घंटा, तक ही आप मोबाइल फोन का इस्तेमाल करिए। समय तय करिए कि मुझे जब आवश्यक बात करनी है तभी बात करूंगा, अनावश्यक नहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा स्मार्टफोन का अत्यधिक उपयोग आपकी आंख की साइट को प्रभावित करेगा। मस्तिष्क को कुंद कर देगाए बुद्धिए विवेक और शारीरिक क्षमता को भी यह पूरी तरह कमजोर कर देगा। इसलिए स्मार्टफोन से जितना बच सकते हैं, बचने का प्रयास करना चाहिए।

तकनीक से अपने आप ही जुड़ जाएंगे रोजगार के नए अवसरः समय और तकनीक के साथ चलते हुए भविष्य की चुनैतियों के लिए खुद को तैयार करने की सीख देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ड्रोन और रोबोटिक्स के एक नए युग में प्रवेश कर चुकी है। हममें से कोई व्यक्ति उससे अपने आप को अलग नहीं कर सकता। हमें करना भी नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें उस मानसिकता से भी उबरना पड़ेगा कि तकनीक आएगी तो रोजगार के अवसर कम करेगी। यह तथ्य सही नहीं है बल्कि तकनीक आएगी रोजगार के नए अवसर अपने आप ही जुड़ जाएंगे। हमें अपने आप को उसके अनुरूप शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार करना होगा।

हिम्मत न हारने वाला ही जीतता हैः समारोह में मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में जीतता वही है जो हिम्मत नहीं हारता है और धैर्य बनाए रखता है। उन्होंने कहा कि जीवन में हार तभी होती है जब हम हमारा दृष्टिकोण नकारात्मक होता है। दूसरों को कोसने की बजाय, अंधकार को धिक्कारने की बजाय, यदि हम 'आओ मिलकर दीया जलाएं' का काम करने लग जाएं, हर व्यक्ति मिलकर एक साथ आगे बढ़ने लग जाए तो कहीं भी अंधकार नहीं रहेगा।

शार्ट कट से नहीं मिलेगी सफलताः सीएम योगी ने स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और टीम वर्क का महत्व समझाते हुए कहा कि यह केवल एक गेम में नहीं बल्कि पूरी जनरेशन में उपयोगी होता है। हमें अपने आप को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से, टीम वर्क से जोड़ना पड़ेगा। कहा कि यह भी याद रखना होगा, शॉर्ट कट का रास्ता कभी जीवन में सफलता नहीं प्रदान कर सकता है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति और संस्था को हमेशा इस बात के लिए तैयार होना होगा कि तकनीक जितना आसान जीवन को कर रही है, उतनी ही चुनौतियां और कठिनाई भी हमारे सामने प्रस्तुत कर रही है। युवाओं और अकादमिक संस्थाओं को उसके प्रति अपने आप को तैयार करना होगा।

संस्थाओं और मेधावियों को

किया गया पुरस्कृतः संस्थापक सप्ताह के मुख्य समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की संस्थाओं में से उत्कृष्ट संस्थाए उत्कृष्ट शिक्षक, उत्कृष्ट कर्मचारी, उत्कृष्ट परिचारक और स्नातकोत्तर, स्नातक एवं हाईस्कूल–इंटर के उत्कृष्ट विद्यार्थियों तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया। मंच से करीब डेढ़ सौ पुरस्कार वितरित किए गए। करीब सात सौ पुरस्कारए संस्थाओं के माध्यम से वितरित किए जाएंगे।

प्रो. यूपी सिंह स्मृति ग्रंथ सहित दो पुस्तकों का हुआ विमोचनः संस्थापक समारोह के मुख्य महोत्सव में उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के पूर्व अध्यक्ष प्रो. यूपी सिंह स्मृति ग्रंथ और एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़ की पुस्तक 'जीवन मूल्य प्रमाण पत्र संग्रह पाठ्यक्रम' का विमोचन हुआ। इस दौरान सीएम योगी ने प्रो. यूपी सिंह स्मृति ग्रंथ की प्रकाशन संस्था प्लाक्षा के प्रबंध निदेशक सौरभ सिंह को स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया।

संस्थापक सप्ताह के मुख्य महोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह में स्वागत संबोधन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, आभार ज्ञापन महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष राजेश मोहन सरकार और संचालन डॉ. श्रीभगवान सिंह ने किया।

इस अवसर पर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, महायोगी गुरु गोरखनाथ राज्य आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के. रामचंद्र रेड्डी, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर की कुलपति प्रो. कविता शाह, मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय मीरजापुर की कुलपति प्रो. शोभा गौड़, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक फतेह बहादुर सिंह, राजेश त्रिपाठी, विपिन सिंह, महेंद्रपाल सिंह, डॉ. विमलेश पासवान, प्रदीप शुक्ल, सरवन निषाद, गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, देवीपाटन शक्तिपीठ के महंत मिथिलेशनाथ, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास, मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, गोरखपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. वीके सिंह, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सभी पदाधिकारी व सदस्यए परिषद से जुड़ी शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों, शिक्षकों व विद्यार्थियों की सहभागिता रही।

संस्थापक सप्ताह समारोह में संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ले. ज. गुरमित सिंह

दिनांकः 10 दिसम्बर, 2025 को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 93वें संस्थापक सप्ताह समारोह के मुख्य महोत्सव में गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परिषद के संस्थापक अपने दादागुरु और इसके विस्तारक अपने गुरुदेव का भावपूर्ण स्मरण भी किया। उन्होंने कहा कि 1932 में महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज ने जिस महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का बीजारोपण किया और जिसे पूज्य गुरुदेव महंत अवेद्यनाथ जी महाराज ने पल्लवित व पुष्पित कियाए आज वह वटवृक्ष बन चुका है।

सीएम योगी ने बताया कि शिक्षा परिषद की नींव के पीछे गुरु भक्ति थी। देश और धर्म के लिए जीवन समर्पित करने वाले मेवाड़ राजवंश में जन्में दिग्विजयनाथ जी महाराज पांच वर्ष की उम्र में ही गोरखपुर आ गए। उनकी शिक्षा दीक्षा गोरक्षपीठ से आगे बढ़ी। सीएम ने बताया कि वर्ष1930.31 के आसपास एक स्थिति ऐसी आई कि दिग्विजयनाथ जी महाराज के स्कूली गुरु जिस विद्यालय में पढ़ाते थेए वहां से उन्हें निष्कासित कर दिया गया। जब उनको जानकारी हुई तो अपने गुरु के सम्मान के लिए उन्होंने जिस स्कूल की नींव रखीए वही आज महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के विराट वृक्ष के रूप में हम सब के सामने है।

संकट में महापुरुषों के नाम से मिलती है प्रेरणाः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा महाराणा प्रताप शिक्षा शिक्षा को राष्ट्रीयता और मूल्य परकता से जोड़कर समग्र विकास का माध्यम बनाया है। पहले दिन से इस अभियान को लेकर के महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद आगे बढ़ी। इसके लिए लक्ष्य रखा गया महाराणा प्रताप जैसे स्वदेश और स्वधर्म के लिए समर्पित महायोद्धा को अनवरत याद करते रहने का। सीएम ने कहा कि देश जब भी संकट में होता हैए धर्म के सामने जब भी संकट आता हैए तब हर भारतीय महाराणा प्रतापए छत्रपति शिवाजी महाराजए गुरु गोविंद सिंह जी महाराज का नाम श्रद्धा और पूरे विश्वास के साथ लेता है। ये नाम चुनौती का सामना करने के लिए हमेशा प्रेरणा होते हैं।

अभिमान नहींए लोक कल्याण का कारक बने संस्थाः देश जब गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था तब गुलामी की बेड़ियों से मुक्ति के लिए किस प्रकार की शिक्षा और आदर्श हमें चाहिएए महंत दिग्विजयनाथ जी ने इस ध्येय से महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का बीजारोपण किया। उनका विचार था कि संस्था अभिमान नहींए बल्कि लोक कल्याण का कारक बनना चाहिए। यही कारण है कि जब गोरखपुर में विश्वविद्यालय की स्थापना की बात आई तो गोरक्षपीठ और महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने आगे आकर अपनी संस्थाएं प्रदेश सरकार को दीं। इससे गोरखपुर विश्वविद्यालय का शुभारंभ हो पाया।

तकनीकी और महिला शिक्षा को लेकर भी शिक्षा परिषद संवेदनशीलः मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद महिला शिक्षा और तकनीकी शिक्षा को लेकर भी संवेदनशील है। कहा कि हम आज महिला सशक्तिकरण की बात करते हैं जबकि महंत दिग्विजय लनाथ जी महाराज ने 1953.54 में ही महाराणा प्रताप महिला कॉलेज की स्थापना गोरखपुर में करवा दी थी। तकनीकी शिक्षा के लिए 1956 में महाराणा प्रताप टेक्निकल इंस्टिट्यूट की स्थापना की जो आज महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक और महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के रूप में है।

शिक्षा और सेवा के प्रकल्पों को आगे बढ़ा रही हैं परिषद की संस्थाएंः सीएम योगी ने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज द्वारा महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का जो बीजारोपण किया गया थाए उसको पल्लवित.पुष्पित करने का कार्य मेरे पूज्य गुरुदेव पूज्य महंत अवेद्यनाथ जी महाराज ने किया। आज महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद अपने सभी पदाधिकारियोंए सभी संस्थाओं के सहयोग से शिक्षाए स्वास्थ्यए तकनीकी शिक्षाए कृषि शिक्षा और सेवा के प्रकल्पों को आगे बढ़ा रही है। संस्थापकों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन व राष्ट्र के प्रति दायित्वों का माध्यम हैं परिषद के कार्यक्रम मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के कार्यक्रम अपने संस्थापकों के प्रति कृतज्ञता स्वरूप विनम्र श्रद्धांजलि तो हैं हीए समाज और अपने राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्वों के निर्वहन का भी माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि नागरिक अधिकारों की चर्चा तो अक्सर होती है लेकिन समाज और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों पर चर्चा नहीं होती। इन कर्तव्यों से विमुखता कहीं न कहीं समाज के पिछड़ने का भी कारण बनती है। परिषद की संस्थाएं कर्तव्यों का भान कराती हैं।

वर्तमान और भावी पीढ़ी के

लिए प्रेरणा हैं लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंहः समारोह मेंए मुख्य अतिथि उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह का स्वागत और अभिनंदन करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्री सिंह ने अपनी रचनात्मक गतिविधि के माध्यम से उत्तराखंड राज्य को एक नई दिशा दी है।

वहां के शिक्षण और उच्च शिक्षा के संस्थान होंए पर्यटन के विकास से जुड़े हुए मुद्दे होंए पर्यावरण से जुड़े हुए मुद्दे होंए अन्नदाता किसानों और बागवानों के कल्याण के लिए होने वाले कार्यक्रम होंए या फिर वीर भूमि और देवभूमि के वीर सैनिकों तथा उनके परिजनों के कल्याण से जुड़े कार्यक्रमए राज्यपाल श्री सिंह का उनके साथ एक बेहतरीन संवाद है।

वहां की विभिन्न प्रकार की सामाजिकए सांस्कृतिकए आर्थिक भौगोलिकए पर्यावरणीय मुद्दों को लेकर उन्होंने अभिनव प्रयास किए हैं। लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह वर्तमान और भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणा हैं।

संस्थापक सप्ताह समापन समारोह | महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय

मुख्य अतिथि ले.ज. गुरमित सिंह का संबोधन एवं पुरस्कार वितरित करते हुए

दिनांकः 10 दिसम्बर, 2025 को उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने कहा है कि युवा देश की सबसे बड़ी ताकत हैं। देश की 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष के नीचे की आयु की है। इस युवा पीढ़ी के दम पर वर्ष 2047 तक भारत को अर्थव्यवस्था एवं तकनीक के क्षेत्र में विश्व में प्रथम स्थान पर आने सेए विश्वगुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता है।

लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह बुधवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 93वें संस्थापक सप्ताह समारोह के मुख्य महोत्सव को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में आयोजित समारोह में उत्तराखंड के राज्यपाल ने कहा कि कहा कि भारत के युवाओं में जो सामर्थ्य है वह वर्तमान के साथ भविष्य को भी आलोकित करेगा। भारत के युवा 2047 के आत्मनिर्भर व विकसित भारत की आधारशिला हैं। हमारा भी यह कर्तव्य है कि इस दिशा में हम सब अपनी जिम्मेदारी को पहचाने। उन्होंने कहा कि आज का युग अवसरों का युग है।

इस अवसर का हमें बेहतरीन उपयोग करना चाहिए। श्री सिंह ने कहा कि हम सब भारतीयों के डीएनए में सभ्यताए संस्कृतिए वेदए उपनिषद एवं पुराणों का ज्ञान समाहित है जो तकनीकी रूप से हमको सक्षम बनाता है। हमारे ज्ञान के दम पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आगे चलकर आब्सल्यूट इंटेलिजेंस बनेगा और उसके उपरान्त यह कॉस्मिक इंटेलिजेंस का रूप लेगा। कॉस्मिक इंटेलिजेंस सनातन ज्ञान परंपरा का ही अंश होगा।

विजेता के जीत की आदत कभी खत्म नहीं होतीः उत्तराखंड के राज्यपाल ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 93वें संस्थापक समारोह हमें साहसए शौर्य व पराक्रम के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि एक विजेता के जीत की आदत कभी खत्म नहीं होती। जीवन में एक सफलता ही दूसरे सफलता को जन्म देती है। सफलता उन्ही को मिलती है जिनके पास साहस के साथ कार्य करने की क्षमता होती है। कहा कि हमारी प्रतिस्पर्धा स्वयं के साथ है। यदि हम स्वयं को पहचानेंगे तो ही हम जीवन में राजा बन पायेंगे।

विविधता ही भारत की एकता का आधारः लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने कहा कि भारत की विविधता ही भारत की एकता का आधार है। गुरुनानक देव जी ने गुरुग्रन्थ साहिब में सबसे पहला शब्द ष्एकमष् अर्थात एकता को रखा है।

हमारी एकता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। हमारी अलग वेशभूषाए परंपराए रीतिरिवाज व भाषा है लेकिन हम सबका एक भाव भारतीयता का है। राष्ट्र हमारा धर्म व सेवा हमारी उपासना है। उन्होंने कहा कि देश को यदि विश्व का लीडर बनाना है तो हमें अन्य लोगों की अपेक्षा अतिरिक्त कार्य करना पड़ेगा। बिना परिश्रम कुछ भी प्राप्त नही हो सकेगा।

असीमित सपने देखें युवाए पूरा करने को पैदा करें दृढ़ इच्छाशक्तिः श्री सिंह ने युवाओं से कहा कि वे अपने जीवन में खुली आंखों से असीमित सपने देखे और उसे पूरा करने के लिए अपने अंदर दृढ़ इच्छा शक्ति पैदा करें। वे अपनी सोचए विचार और धारणा के स्तर को ऊंचा बनाएं। उनकी सोच

लाख से करोड़ए करोड़ से बिलियन तथा बिलियन से ट्रिलियन की ओर बढ़ने की होनी चाहिए।

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व को मार्गदर्शन देने की भूमिका में उत्तराखंड के राज्यपाल ने कहा कि 21वीं शताब्दी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसए स्पेस टेक्नोलाजीए नैनो टेक्नोलाजीए रेयर अर्थ मैटेरियल की शताब्दी है। हमारे युवाओं को इसके बारे में सोंचना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत पूरे विश्व को मार्गदर्शन देने देने की भूमिका में शामिल हो चुका है। पीएम मोदी ने विज्ञानए उद्योगए रक्षा अवसंरचनाए अंतरिक्षए ऊर्जा व सामाजिक न्याय के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए हैं। चन्द्रयानए गगनयानए डिजिटल भारतए सेमीकंण्डक्टर मिशनए आयुष्मान भारतए आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का माध्यम बने है। यह सब राष्ट्र के उत्थान का माध्यम है।

गोरखपुर सनातन धर्म की धुरीः श्री सिंह ने कहा कि अंत शब्द ही संत ओर महंत को जन्म देता है। गोरखपुर सनातन धर्म की वह धुरी है जहां साधनाए सघर्षए साहित्य के साथ संस्कृति एवं राष्ट्र के प्रति त्याग का भाव भी है। गोरखपुर में महायोगी गुरु गोरखनाथ जी ने धर्मए योग ओर आध्यात्म को लोक जीवन में प्रतिष्ठित कर भारत की सनातन चेतना को जन. जन तक पहुंचाया था।

महंत दिग्विजयनाथए महंत अवेद्यनाथ एवं अन्य महंतो नेभी जन चेतना को जनसेवा के साथ आगे बढ़ाया। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद उसी का एक हिस्सा है।

दृढ़ निश्चयी मुख्यमंत्री हैं योगी आदित्यनाथ रू लेण् जनरल गुरमीत सिंहः महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के मुख्य महोत्सव में मुख्य अतिथि उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिल खोलकर और जमकर तारीफ की।

सीएम योगी की निस्वार्थ सेवा भावना और निडरता की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए लेफ्टिनेंट जनरल श्री सिंह ने कहा कि योगी जीए दृढ़ निश्चयी मुख्यमंत्री हैं। कड़े निर्णयों से उन्होंने उत्तर प्रदेश को माफियाए क्राइम और गुंडाराज से मुक्ति दिलाई है।

उन्होंने कहा कि यूपी के सीएम योगी जी के पास खोने के लिए कुछ नहीं है। उनका हर कार्य जन कल्याण के लिए है। कठोर परिश्रम करने वाले योगी जी सदैव राष्ट्र सर्वोपरि की भाव ज्योति को प्रज्वलित करते हैं।

समारोह के दौरान उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष राजेश मोहन सरकार ने उत्तरीय और स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर श्री सिंह ने शिक्षा परिषद के लिए अपने साथ लाए स्मृतिचिन्ह को श्री सरकार को भेंट किया।

योग्यता छात्रवृत्ति व पुरस्कार वितरण समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय

माननीय कुलपति डॉ. सुरिन्दर सिंह व मुख्य अतिथि डॉ. जी.एन. सिंह विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति व पुरस्कार प्रदान करते हुए

दिनांकः 12 दिसम्बर, 2025 को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह 2025 के समापन के क्रम में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में विभिन्न विभागों के छात्रों को उनके उत्कृष्ट परिणामों के लिए योग्यता छात्रवृत्ति प्रदान की गई। पुरस्कार वितरण समारोह में जिन विद्यार्थियों ने अपनी कक्षाओं में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण में नर्सिंग और पैरामेडिकल संकायए आयुर्वेद कॉलेज, स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकायए कृषि संकाय, फार्मास्यूटिकल संकाय, मेडिकल कॉलेज, कॉमर्स संकाय के विद्यार्थियों तथा एनएसएस कैडेट ने भाग लिया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरेंद्र सिंह और मुख्य अतिथि डॉ. जी एन सिंह (पूर्व कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया एवं वर्तमान माननीय मुख्यमंत्री के वैज्ञानिक सहायक) ने छात्रवृत्ति वितरित की।

कार्यक्रम में विभिन्न संकायों के प्रमुख एवं शिक्षकगण भी उपस्थित रहेए जिनमें डॉ. सुनील कुमार (हेल्थ और लाइफ साइंसेज), डॉ. गिरधर वेदांतम (आयुर्वेद प्रधानाचार्य), डॉ. शशिकांत सिंह (फैकल्टी ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज), डॉ. चंद्रशेखर मूर्ति (फैकल्टी ऑफ मेडिकल साइंसेज), डॉ. हरि ओम शरण (प्लानिंग एंड इंप्लीमेंटेशन), श्री रोहित कुमार श्रीवास्तव (पैरामेडिकल विभाग अध्यक्ष), डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ. डी एस अजीथा (नर्सिंग एंड पैरामेडिकल संकाय), सहित सभी संकाय के शिक्षक शामिल हुए।

कुलपति डॉ. सुरेंद्र सिंह ने छात्रों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। मुख्य अतिथि डॉ. जीवन सिंह ने युवाओं से 2047 तक

विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वाहन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन भाषण वैभव सिंह ने दिया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन श्रेया ने प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय गान से हुई और अंत वंदे मातरम के गीत से हुआ। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. शशिकांत सिंह ने किया। यह आयोजन कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

कंबल वितरण समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय

मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेई एवं डॉ. जी. एन. सिंह जरूरतमंदों को कंबल वितरित करते हुए

दिनांकः 20 दिसम्बर, 2025 को उषा फोम प्राइवेट लिमिटेड तथा महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालयए गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा दिनांक 20 दिसंबर 2025 (शनिवार) को कंबल वितरण समारोह का धूमधाम से आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम शीतकालीन ठंड की मार झेल रहे जरूरतमंद ग्रामवासियों को सहारा प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया गयाए जिसमें कुल 250 उच्च गुणवत्ता वाले कंबल वितरित किए गए। इस पुनीत कार्य ने समाज के अंतिम पंक्ति तक सेवा पहुंचाने की भावना को साकार किया।

समारोह की अध्यक्षता मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी, पूर्व कुलपति, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने की, जबकि मुख्य अतिथि डॉ. जी. एन. सिंह, वैज्ञानिक सलाहकार, उत्तर प्रदेश सरकार रहें। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री एस.के. अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष, चेंबर ऑफ इंडस्ट्रीज, श्री सौरभ जैन एम. डी. मैजिक गोल्ड क्रिएसन मुरादाबाद, श्री बीर सेन सिंह, एम. डी. उषा फोम प्रा. ली. गीडा, श्री विष्णु अजीत सरिया एम. डी. वी एन डायर्स गोरखपुर, ग्राम प्रधान ओमप्रकाश चौहान, आदि गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम स्थल पर एनएसएस स्वयंसेवकों, विश्वविद्यालय के अधिकारियो, शिक्षकों और बड़ी संख्या में ग्रामवासियों की उपस्थिति ने इसे एक सामूहिक उत्सव का रूप प्रदान किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक सरस्वती वंदना से हुआ, तत्पश्चात डॉ. मनीष त्रिपाठी, एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक ने अपने स्वागत संबोधन में उन्होंने गुरु श्री गोरखनाथ जी के सेवाभाव, लोककल्याण और मानवता के प्रति अटूट समर्पण को रेखांकित किया। उन्होंने आगे कहा कि गुरु गोरखनाथ के आदर्शों का अनुसरण करते हुए यह कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया है, ताकि कड़ाके की सर्दी में असहाय लोगों को गर्माहट और राहत मिल सके।

डॉ. त्रिपाठी ने उषा फोम प्राइवेट लिमिटेड के इस सराहनीय सामाजिक योगदान की हृदय से प्रशंसा कीए जो न केवल शारीरिक सहायता प्रदान करता है बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करता है।

उद्बोधन के क्रम में विशिष्ट अतिथि श्री एस. के. अग्रवाल ने उद्योग जगत की सामाजिक प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए उषा फोम के प्रयासों को प्रोत्साहित किया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि डॉ. जी. एन. सिंह ने अपने प्रेरक उद्बोधन में समाज सेवा की अनिवार्यता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे सहयोगात्मक प्रयास सामाजिक विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होते हैंए जो आर्थिक असमानता को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि महायोगी गुरु गोरखनाथ जी भारतीय संत परंपरा के ऐसे महायोगी हैं जिन्होंने नाथपंथ के माध्यम से योग, तप, सेवा और लोककल्याण की अद्भुत परंपरा स्थापित की। नाथ संप्रदाय निष्काम कर्म, आत्मानुशासन और समाज के प्रति समर्पित सेवा को साधना का ही एक रूप मानता है, जहाँ लोकमंगल ही वास्तविक योग और भक्ति माना जाता है।

श्री गोरक्षपीठ की यह गौरवशाली विरासत शिक्षा, स्वास्थ्य और सेवा के माध्यम से निरंतर समाज को दिशा देती रही है, जिसका विस्तार महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों की स्थापना से और भी व्यापक हुआ है। यह विश्वविद्यालय योग, आयुर्वेद, आधुनिक चिकित्सा, नर्सिंग, तकनीकी तथा कौशल विकास जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट शिक्षा और शोध के माध्यम से पूर्वांचल ही नहीं, सम्पूर्ण देश के आरोग्य और उत्थान में योगदान दे रहा है। राष्ट्रीय सेवा योजना का आदर्श (स्वयं से पहले समाज) नाथ संत परंपरा की इसी लोककल्याणकारी भावना से गहराई से जुड़ा

हुआ है। कम्बल वितरण जैसे कार्यक्रम केवल वस्त्र वितरण नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के जीवन में सम्मानए सुरक्षा और मानवीय गर्माहट पहुँचाने का माध्यम हैं, जो गुरु गोरखनाथ जी के करुणा, सेवा और समरसता के संदेश को व्यवहार में उतारते हैं।

उन्होंने जोर देकर कहा, 'नर सेवा ही नारायण सेवा' का यह आदर्श आज के इस समारोह में चरितार्थ हो रहा है। कड़ाके की ठंड में यह पुनीत कार्य न केवल जरूरतमंदों को शारीरिक राहत देगा, बल्कि सामाजिक एकजुटता को भी मजबूत करेगा।

उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे निरंतर ऐसे सेवा कार्यों में भागीदारी करें।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव, डॉ. डी. एस. अजीथा, प्राचार्या नर्सिंग कॉलेज श्री श्रीकान्त उप कुलसचिव प्रशासन, कार्यक्रक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक, सुश्री सुमन यादव, सुश्री कविता साहनी एवं सुश्री गरिमा पाण्डेय वत्स त्रिवेदी, शारदानंद पांडेय तथा विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी, शिक्षकगण, एनएसएस स्वयंसेवक एवं सैकड़ों ग्रामवासी उपस्थित रहें।

समारोह के अंत में, लाभार्थियों को कंबलों का वितरण किया गया, जिसके दौरान वितरित कंबलों की गुणवत्ता और मात्रा की सभी ने भूरि–भूरि प्रशंसा की।

यह आयोजन न केवल तात्कालिक राहत प्रदान करने वाला था, बल्कि भविष्य में ऐसे और अधिक कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त करता है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और उषा फोम प्राइवेट लिमिटेड सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में नई मिसाल कायम करने को तैयार हैं।

किसान दिवस (कृषक संवाद) कृषि संकाय

कृषकों एवं विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. संजय गुप्ता

दिनांकः 23 दिसम्बर, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित कृषि संकाय एवं वी एम्ब्रेस संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से ग्रामसभा सिकटौर में 'किसान दिवस' के अवसर पर 'कृषकों से संवाद' के कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. संजय गुप्ता, सहायक आचार्य, दिल्ली विश्वविद्यालय उपस्थित रहें। अपने संबोधन में डॉ. गुप्ता ने चौधरी चरण सिंह जी के किसान हितैषी विचारों एवं नीतियों पर प्रकाश डालते हुए कृषकों के राष्ट्र निर्माण में योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने हरित क्रांति में किसानों की निर्णायक भूमिका, आधुनिक कृषि

तकनीकों के उपयोग, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, जल प्रबंधन तथा सतत कृषि पद्धतियों के महत्व पर विस्तृत चर्चा की।

संवाद सत्र के दौरान किसानों ने फसल उत्पादन, लागत प्रबंधन व रोग–कीट नियंत्रण से जुड़ी समस्याएं साझा किया, जिन पर कृषि विद्यार्थियों द्वारा व्यावहारिक सुझाव दिए गए।

कार्यक्रम में अंत में वी एम्ब्रेस संस्थान के स्वयंसेवकों द्वारा हस्तनिर्मित क्लॉथ बैग कृषकों को वितरित किया गया और सभी ने मिलकर मृदा व पर्यावरण संरक्षण का संकल्प किया।

कार्यक्रम स्नातक कृषि विज्ञान चतुर्थ वर्ष के छात्र अनिकेत मल्ल के नेतृत्व में कुशलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में वी एम्ब्रेस संस्थान के संस्थापक श्री नेविश, स्नातक कृषि विज्ञान के विद्यार्थी अमित चौधरी, खुशी गुप्ता, रितु पाण्डेय, बादल पटेल, वी एम्ब्रेस के स्वयंसेवक, स्नातक कृषि विज्ञान तृतीय व चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थी, एवं बड़ी संख्या में स्थानीय कृषक उपस्थित रहें।

विभागीय आयोजन

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

05 जनवरी, 2026	निःशुल्क स्वर्ण प्राशन शिविर
20 जनवरी, 2026	अतिथि व्याख्यान (आईकेएस के अंतर्गत)
26 जनवरी, 2026	गणतंत्र दिवस
31 जनवरी, 2026	निःशुल्क स्वर्ण प्राशन शिविर
13 से 31 जनवरी, 2026	निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर (गोरखनाथ मंदिर मेला परिसर)

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज

27 जनवरी, 2026	आंतरिक प्रयोगात्मक परीक्षा
29 जनवरी, 2026	आंतरिक लिखित परीक्षा

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

12 जनवरी, 2026	राष्ट्रीय युवा दिवस पर छात्र पत्रिका स्टूडेंट क्रॉनिकल का विमोचन और 13 स्टूडेंट्स क्लब का औपचारिक शुभारंभ

श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेण्टर

19 से 21 जनवरी, 2026	फर्स्ट प्रोफेशनल परीक्षा थ्योरी
22 से 29 जनवरी, 2026	फर्स्ट प्रोफेशनल प्रैक्टिकल परीक्षा
28 जनवरी, 2026	अतिथि व्याख्यान

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग

23 जनवरी, 2026	दीप प्रज्ज्वलन एवं शपथ ग्रहण समारोह

फॉर्मेसी संकाय

25 जनवरी, 2026	गोरखनाथ मंदिर मेला परिसर में विश्वविद्यालय प्रवेश लीफलेट का वितरण
26 जनवरी, 2026	गणतंत्र दिवस

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक समारोह में बोले मुख्यमंत्री

संस्कृति से ही राष्ट्र की होती है पहचान : योगी

गोरखपुर, कार्यालय संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राष्ट्र की संस्कृति समाप्त हो जाए तो राष्ट्र अपनी एकात्मता व पहचान को खो देता है। संस्कृति उन राष्ट्रीय मूल्यों से बनती है, जिन्हें समय-समय पर अलग-अलग युगांतकारी घटनाओं ने संबल और शक्ति दी।

मुख्यमंत्री गुरुवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह-2025 के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने स्वदेश, स्वधर्म व राष्ट्रीय स्वाभिमान का जिक्र करते हुए कहा कि जब भी हम संकट में होते हैं या कोई राष्ट्रीय चुनौती होती है तो महापुरुषों के चित्र, उनके शौर्य व पराक्रम नई ऊर्जा देते हैं। महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी, गुरु गोविंद सिंह, रानी लक्ष्मीबाई समेत सीमाओं की रक्षा करते हुए बलिदान देने वाले भारत मां के बहादुर जवान देश के लिए प्रेरणा हैं। समारोह का शुभारंभ उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (रि.) योगेंद्र डिमरी ने किया।

140 करोड़ भारतीयों का विकसित भारत : मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत किसी एक व्यक्ति के लिए नहीं, किसी एक जाति के लिए नहीं, 140 करोड़ भारतीयों का भारत होगा। आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान देशवासियों के सामने प्रधानमंत्री ने लक्ष्य रखा कि 2047 में हमें आत्मनिर्भर व विकसित भारत चाहिए, जहां हर व्यक्ति खुशहाल और परस्पर सौहार्द के साथ मिलकर दुनिया की महाशक्ति के रूप में स्थापित करने के लिए अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहा हो। > संस्थापक समारोह P06

महापुरुषों के शौर्य व पराक्रम से मिलती है ऊर्जा

गुरुवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक समारोह के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी ने एमपीपीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ की 'मिशन मंझरिया' की संक्षिप्त रिपोर्ट का विमोचन किया।

09 हजार छात्र-छात्राओं की मौजूदगी रही संस्थापक सप्ताह समारोह में

हर मंडल में स्पोर्ट्स कॉलेज व जिले में स्टेडियम : योगी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर कमिश्नरी में स्पोर्ट्स कॉलेज और जिला मुख्यालय पर स्टेडियम बनेगा। सरकार ने हर ब्लॉक में मिनी स्टेडियम बनाने का भी लक्ष्य तय किया है। गांवों में खेल मैदान विकसित किए जा रहे हैं। उन्होंने बड़े आयोजनों में मेडल जीतने वालों को सरकारी नौकरी देने का ऐलान किया। > ब्योरा P02

विजय मैदान में नहीं मन पर होती है : डिमरी

गोरखपुर। एमपी शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी ने विद्यार्थियों को महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि देशभक्ति केवल सीमा पर साहस दिखाना ही नहीं, बल्कि ईमानदारी से अपने कर्तव्य का पालन करना, पर्यावरण की रक्षा और समाज का अच्छा नागरिक बनना भी वास्तविक देशभक्ति है। विजय मैदान पर नहीं मन पर होती है और शक्ति हथियार में नहीं, संस्कार में होती है। आप सौभाग्यशाली हैं कि इस शिक्षा परिषद के माध्यम से सफलता के इन मूल्यों का संस्कार प्राप्त कर रहे हैं। > प्रेरणा लें P06

संस्थापक सप्ताह समारोह: गोरक्षनगरी में उतरा हिंदुस्तान

गोरखपुर, ४ दिसम्बर। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह-2025 में गुरुवार को गोरक्षनगरी में 'समूचा हिंदुस्तान' उमड़ पड़ा। एक तरफ उत्साह, उमंग से लबरेज युवाओं ने भारतीय संस्कृति, अनुशासन व विरासत के सम्मान का संदेश दिया तो दूसरी तरफ भारत के शौर्य, पराक्रम के साथ ही सम्मान के प्रतीक महापुरुषों के प्रति श्रद्धा निवेदित की। गोरखपुर की सड़कों पर युवाओं ने अनुशासन का अद्भुत समन्वय प्रस्तुत किया। भारत की सांस्कृतिक धरोहरों, तकनीकी विकास, सुरक्षा व महापुरुषों की विचारधारा संग भारतीय वेशभूषा संग निकली शोभायात्रा ने सभी को अपनी ओर आकर्षित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट योगेंद्र डिमरी (से.नि.) ने दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय की शोध पत्रिका 'दिग्विजयम्' और महाराणा प्रताप पी कॉलेज, जंगल धूषड़ द्वारा 'मिशन मंझरिया' की संक्षिप्त रिपोर्ट का विमोचन किया। समारोह स्थल पर पहुंचने के उपरांत एनसीसी के कैडेट्स ने मुख्य अतिथि को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। मुख्य अतिथि ने पुस्तिका पर अपने विचार भी लिखे। मुख्यमंत्री व मुख्य अतिथि ने 'विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश @2047' प्रदर्शनी का अवलोकन किया। समारोह स्थल पर 9000 से अधिक विद्यार्थी मौजूद रहे। समारोह के शुभारंभ समारोह में महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज की छात्राओं ने सरस्वती वंदना व कुलगीत प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि ने शोभायात्रा के शुभारंभ की घोषणा की। मुख्य अतिथि ने शोभायात्रा में शामिल युवाओं से मार्च पास्ट की सलामी ली। शोभायात्रा में सबसे आगे महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज की एनसीसी कैडेट्स रहीं। उनके पीछे महाराणा प्रताप महिला पी कॉलेज रामदत्तपुर की एनसीसी कैडेट्स, दिग्विजयनाथ इंटर कॉलेज चौक बाजार के एनसीसी कैडेट्स, महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज एनसीसी सीनियर डिवीजन, महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज एनसीसी जूनियर डिवीजन, एनसीसी दिग्विजयनाथ पी कॉलेज व ताइक्वांडो टीम शामिल रही। ज्ञान ज्योति, सच्चिदानंद बैंड, हंस वाहिनी भी आकर्षण का केंद्र रही। शोभायात्रा में शिक्षा परिषद के संस्थाओं के विद्यार्थी शामिल रहे। शोभायात्रा में मां सरस्वती, भारत माता, महायोगी गुरु गोरखनाथ, महाराणा प्रताप, महंत दिग्विजयनाथ, महंत अवेद्यनाथ महाराज के चित्र भी रहे। शोभायात्रा में एक तरफ 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से भारत के शौर्य की कहानी प्रस्तुत की जा रही थी तो वहीं राम मंदिर के जरिए विरासत का सम्मान भी युवाओं ने प्रस्तुत किया। युवाओं ने शोभायात्रा के माध्यम से विरासत, संस्कृति के प्रति सम्मान के भाव को प्रदर्शित किया। शोभायात्रा कॉलेज परिसर से निकलकर इंदिरा बाल बिहार से सीधे पोस्ट ऑफिस तिराहे से गणेश चौराहा से गोलघर होते हुए कचहरी चौराहा, फिर महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के स्वर्ण जयंती द्वार से शोभायात्रा स्थल पर पहुंची। भारतीय परिधान व विद्यालय के गणवेश में युवा सभी के आकर्षक का केंद्र बने रहे। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक सप्ताह समारोह में शुक्रवार को गोरखवाणी प्रतियोगिता-कनिष्ठ वर्ग दिग्विजयनाथ एल.टी. प्रशिक्षण महाविद्यालय, वरिष्ठ वर्ग महाराणा प्रताप इण्टर कॉलेज (सभागार), योगासन प्रतियोगिता-प्रताप आश्रम गोलघर, चित्रकला प्रतियोगिता-दिग्विजयनाथ पी..कॉलेज (कला संकाय), कबड्डी प्रतियोगिता बालक वर्ग (कनिष्ठ एवं वरिष्ठ) महाराणा प्रताप पालिटेक्निक गोरखनाथ एवं बालिका वर्ग (कनिष्ठ एवं वरिष्ठ) महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कॉलेज सिविल लाइन्स में सम्पन्न होगी। यह जानकारी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संचालन समिति के सदस्य डॉ. नितीश शुक्ला ने दी।

❖ महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद से जुड़े शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों ने निकाली भव्य शोभायात्रा

जयकारों के बीच शोभायात्रा बनी अनुशासन की मिसाल

3000 से अधिक विद्यार्थियों ने झांकियों के जरिए दिखाई विकास व विरासत की झलक, गोरक्षपीठाधीश्वर ने प्रज्वलित की अखंड ज्योति

संस्थापक सप्ताह समारोह: गोरक्षनगरी में उतरा हिंदुस्तान

गोरखपुर, ४ दिसम्बर। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह-2025 में गुरुवार को गोरक्षनगरी में 'समूचा हिंदुस्तान' उमड़ पड़ा। एक तरफ उत्साह, उमंग से लबरेज युवाओं ने भारतीय संस्कृति, अनुशासन व विरासत के सम्मान का संदेश दिया तो दूसरी तरफ भारत के शौर्य, पराक्रम के साथ ही सम्मान के प्रतीक महापुरुषों के प्रति श्रद्धा निवेदित की। गोरखपुर की सड़कों पर युवाओं ने अनुशासन का अद्भुत समन्वय प्रस्तुत किया। भारत की सांस्कृतिक धरोहरों, तकनीकी विकास, सुरक्षा व महापुरुषों की विचारधारा संग भारतीय वेशभूषा संग निकली शोभायात्रा ने सभी को अपनी ओर आकर्षित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट योगेंद्र डिमरी (से.नि.) ने दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय की शोध पत्रिका 'दिग्विजयम्' और महाराणा प्रताप पी कॉलेज, जंगल धूषड़ द्वारा 'मिशन मंझरिया' की संक्षिप्त रिपोर्ट का विमोचन किया। समारोह स्थल पर पहुंचने के उपरांत एनसीसी के कैडेट्स ने मुख्य अतिथि को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। मुख्य अतिथि ने पुस्तिका पर अपने विचार भी लिखे। मुख्यमंत्री व मुख्य अतिथि ने 'विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश @2047' प्रदर्शनी का अवलोकन किया। समारोह स्थल पर 9000 से अधिक विद्यार्थी मौजूद रहे। समारोह के शुभारंभ समारोह में महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज की छात्राओं ने सरस्वती वंदना व कुलगीत प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि ने शोभायात्रा के शुभारंभ की घोषणा की। मुख्य अतिथि ने शोभायात्रा में शामिल युवाओं से मार्च पास्ट की सलामी ली। शोभायात्रा में सबसे आगे महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज की एनसीसी कैडेट्स रहीं। उनके पीछे महाराणा प्रताप महिला पी कॉलेज रामदत्तपुर की एनसीसी कैडेट्स, दिग्विजयनाथ इंटर कॉलेज चौक बाजार के एनसीसी कैडेट्स, महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज एनसीसी सीनियर डिवीजन, महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज एनसीसी जूनियर डिवीजन, एनसीसी दिग्विजयनाथ पी कॉलेज व ताइक्वांडो टीम शामिल रही। ज्ञान ज्योति, सच्चिदानंद बैंड, हंस वाहिनी भी आकर्षण का केंद्र रही। शोभायात्रा में शिक्षा परिषद के संस्थाओं के विद्यार्थी शामिल रहे। शोभायात्रा में मां सरस्वती, भारत माता, महायोगी गुरु गोरखनाथ, महाराणा प्रताप, महंत दिग्विजयनाथ, महंत अवेद्यनाथ महाराज के चित्र भी रहे। शोभायात्रा में एक तरफ 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से भारत के शौर्य की कहानी प्रस्तुत की जा रही थी तो वहीं राम मंदिर के जरिए विरासत का सम्मान भी युवाओं ने प्रस्तुत किया। युवाओं ने शोभायात्रा के माध्यम से विरासत, संस्कृति के प्रति सम्मान के भाव को प्रदर्शित किया। शोभायात्रा कॉलेज परिसर से निकलकर इंदिरा बाल बिहार से सीधे पोस्ट ऑफिस तिराहे से गणेश चौराहा से गोलघर होते हुए कचहरी चौराहा, फिर महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के स्वर्ण जयंती द्वार से शोभायात्रा स्थल पर पहुंची। भारतीय परिधान व विद्यालय के गणवेश में युवा सभी के आकर्षक का केंद्र बने रहे। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक सप्ताह समारोह में शुक्रवार को गोरखवाणी प्रतियोगिता-कनिष्ठ वर्ग दिग्विजयनाथ एल.टी. प्रशिक्षण महाविद्यालय, वरिष्ठ वर्ग महाराणा प्रताप इण्टर कॉलेज (सभागार), योगासन प्रतियोगिता-प्रताप आश्रम गोलघर, चित्रकला प्रतियोगिता-दिग्विजयनाथ पी..कॉलेज (कला संकाय), कबड्डी प्रतियोगिता बालक वर्ग (कनिष्ठ एवं वरिष्ठ) महाराणा प्रताप पालिटेक्निक गोरखनाथ एवं बालिका वर्ग (कनिष्ठ एवं वरिष्ठ) महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कॉलेज सिविल लाइन्स में सम्पन्न होगी। यह जानकारी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संचालन समिति के सदस्य डॉ. नितीश शुक्ला ने दी।

❖ महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद से जुड़े शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों ने निकाली भव्य शोभायात्रा

संस्कृति समाप्त हो जाए तो अपनी एकात्मकता और पहचान खो देता है राष्ट्र

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह में सीएम योगी बोले-संकट में ऊर्जा देते हैं महापुरुषों के शौर्य और पराक्रम

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसी राष्ट्र की पहचान वहां की संस्कृति, परंपराएं और महापुरुष होते हैं, ये एक-दूसरे से जुड़े हैं। राष्ट्र की संस्कृति समाप्त हो जाए तो राष्ट्र अपनी एकात्मता व पहचान को खो देता है। संस्कृति उन राष्ट्रीय मूल्यों से बनती है, जिन्हें समय-समय पर अलग-अलग युगांतकारी घटनाओं ने संबल और शक्ति दी।

संस्थापक सप्ताह समारोह में सीएम। संवाद

सीएम योगी बृहस्पतिवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 93वें संस्थापक सप्ताह समारोह-2025 के शुभारंभ सत्र को बतौर कार्यक्रम अध्यक्ष संबोधित कर रहे थे। उन्होंने स्वदेश, स्वधर्म व राष्ट्रीय स्वाभिमान का जिक्र करते हुए कहा कि जब भी हम संकट में होते हैं या कोई राष्ट्रीय चुनौती होती है तो महापुरुषों के चित्र, उनके शौर्य व पराक्रम नई ऊर्जा देते हैं। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी, गुरु गोविंद सिंह, रानी लक्ष्मीबाई समेत सीमाओं की रक्षा करते हुए बलिदान देने वाले भारत मां के बहादुर जवान देश के लिए प्रेरणा हैं। सीएम ने इस अवसर पर एमपीएसपी के अध्यक्ष रहे स्मृतिशेष प्रो. यूपी सिंह व अन्य दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

>> संस्थापक समारोह : पेज 4

यह आत्ममंथन का अवसर

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद छह वर्ष बाद शताब्दी समारोह मनाएगा। ऐसे में शिक्षा परिषद व संस्थाओं के सामने 100 वर्षों की इस यात्रा के आत्ममंथन का अवसर है। परिषद के संस्थापकों ने जो विराट लक्ष्य रखा है, वह समाज व राष्ट्र के प्रति हमारी सेवाओं व कर्तव्य के मूल्यांकन का भी है। हमारे संस्थापकों ने छात्र-छात्राओं के सामने महाराणा प्रताप के रूप में आदर्श रखा। सीएम ने सभी से सीखने, सिखाने की अपील की, और कहा कि शिक्षा परिषद जब शताब्दी महोत्सव मना रहा होगा, उसकी तैयारी के दौरान अभी से तय करें कि किस लक्ष्य को प्राप्त करना है।

शिक्षा के विजन के साथ ही स्वास्थ्य और कृषि पर जोर दे रहा परिषद

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण, अपनी संकल्पना और भावना को बढ़ाने के लिए महंत दिग्विजयनाथ ने 1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की। आज शिक्षा परिषद के अंतर्गत संचालित 50 से अधिक संस्थाएं शिक्षा, सेवा, स्वास्थ्य, प्रौद्योगिकी क्षेत्र, शिक्षण-प्रशिक्षण के केंद्र के रूप में विकसित होकर राष्ट्र को समर्पित नागरिक देने के लिए प्रतिबद्ध दिखाई देते हैं।

ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करना भी देशभक्ति : ले. डिमरी

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक-सप्ताह समारोह 2025 के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि उप्र आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, ले. जनरल योगेंद्र डिमरी (से.नि.) ने कहा कि सीमा पर साहस दिखाना ही नहीं बल्कि ईमानदारी से अपने कर्तव्य का पालन करना, पर्यावरण की रक्षा, लोक कल्याण और समाज का एक अच्छा नागरिक बनना भी देशभक्ति है।

ले. डिमरी ने स्वतंत्र संघर्ष के दौरान भारतीय संस्कारों और शिक्षा मूल्यों पर आधारित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना और उसके निरंतर राष्ट्रसेवा में योगदान देने की सराहना की और शिक्षा परिषद के संस्थापकों के प्रति आभार और सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जब देश में अंग्रेजी शासन का बोलबाला था, ऐसे में 1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की गोरखपुर में नींव रखना भारतीयता और राष्ट्र की सच्ची सेवा थी। उन्होंने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक महंत दिग्विजय नाथ, राष्ट्र संत महंत अवेद्यनाथ व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं शिक्षा परिषद के सभी शिक्षकों के प्रति राष्ट्रसेवा के संकल्प को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया।

संस्थापक सप्ताह समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी ● जागरण

उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा ही महाराणा प्रताप के जीवन से हमें अनुशासन, ईमानदारी, समर्पण और प्रतिष्ठा के जिन मूल्यों की शिक्षा मिलती है वो, आपको जीवन में सफल बनाएंगे। अपने अनुभव साझा करते हुए ले. डिमरी ने कहा कि सेना भी ऐसे नौजवानों को चुनती है जो जीवन में अनुशासन, समर्पण और कर्तव्यपालन को सर्वोपरी मानते हैं। अनुशासन ही सफलता की सीढ़ी है। उन्होंने शिक्षा परिषद की प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं को ज्यादा से ज्यादा भागीदारी करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि हार और जीत निर्णायक नहीं है। प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करना सबसे जरूरी है। असफलता से निराश होने की जरूरत नहीं है, असफलता ही हमें सफलता का मार्ग दिखाती है। उन्होंने सचिन तेंदुलकर के जीवन का प्रसंग और परिणाम की चिंता किए बगैर कर्मपालन करने के भगवत् गीता के श्लोक-कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन् को अनुकरणीय बताया। साथ ही तेजी से बदल रही तकनीकि, एआइ, रोबोटिक्स के प्रति भी छात्रों को सजग रहने को कहा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में केवल एक मजबूत चरित्र और सही तकनीक की समझ ही सफलता दिलाएगी। लेकिन, हमें ये भी याद रखना है कि विजय मैदान में नहीं मन पर होती है, शक्ति हथियार में नहीं बल्कि संस्कार में होती है।

आत्मनिर्भर और विकसित होगा 2047 का भारत : योगी

भारत दर्शन...गोरक्षनगरी में धर्म-संस्कृति की झलक

पंच प्रण से ही 2047 में आत्मनिर्भर-विकसित होगा भारत

संस्कृति समाप्त हो जाए तो पहचान को खो देता है राष्ट्र: सीएम योगी

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के

संस्थापक सप्ताह समारोह-2025 के शुभारंभ अवसर पर कहा कि जब भी हम संकट में होते हैं या कोई राष्ट्रीय चुनौती होती है तो महापुरुषों के चित्र, उनके शौर्य व पराक्रम नई ऊर्जा देते हैं। राष्ट्र की संस्कृति समाप्त हो जाए तो राष्ट्र अपनी एकात्मता व पहचान को खो देता है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी, गुरु गोविंद सिंह, रानी लक्ष्मीबाई समेत सीमाओं की रक्षा करते हुए बलिदान देने वाले भारत मां के बहादुर जवान देश के लिए प्रेरणा हैं। सीएम योगी ने कहा कि संस्कृति उन राष्ट्रीय मूल्यों से बनती है, जिन्हें समय-समय पर अलग-अलग युगांतकारी घटनाओं ने संबल और शक्ति दी। जिन्हें विभिन्न पर्वों के माध्यम से पूरा भारत बिना भेदभाव के आत्मसात करता है। पर्व में मतभेदों को समाप्त करके हम एक भारत-श्रेष्ठ भारत की अभिव्यक्ति को प्रदर्शित करते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण, अपनी संकल्पना और भावना को बढ़ाने के लिए संस्थापकों ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की। योगी ने कहा कि परिषद शिक्षा के विजन के साथ ही स्वास्थ्य, कृषि, महाराणा प्रताप इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, महाराणा प्रताप पॉलीटेक्निक आदि के जरिए तकनीक पर जोर दे रहा है तो वहीं महिलाओं की शिक्षा, अन्नदाता किसानों के प्रशिक्षण के लिए महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केंद्र या अन्य संस्थाएं दूरदराज के क्षेत्रों में नए प्रयास को बढ़ाने के साथ ही कार्य कर रही हैं।

शोध पत्रिका 'दिग्विजयम्' का हुआ भव्य विमोचन

गोरखपुर : संस्थापक सप्ताह समारोह के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट योगेंद्र डिमरी (से.नि.) ने दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय की शोध पत्रिका 'दिग्विजयम्' और महाराणा प्रताप पीजी कालेज, जंगल धूसड़ द्वारा 'मिशन मंझरिया' की संक्षिप्त रिपोर्ट का विमोचन किया। समारोह स्थल पर पहुंचने के उपरांत एनसीसी के कैडेट्स ने मुख्य अतिथि को गार्ड आफ आनर दिया। मुख्य अतिथि ने पुस्तिका पर अपने विचार भी लिखे। सीएम व मुख्य अतिथि ने 'विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश @2047' प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह के उद्घाटन समारोह में पुस्तक का लोकार्पण करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मुख्य अतिथि राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी, गोवि की कुलपति प्रो. पूनम टंडन व अन्य ● जागरण

आज होने वाली प्रतियोगिताएं: महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संचालन समिति के सदस्य डा. नितीश शुक्ला ने बताया कि समारोह में शुक्रवार को गोरखवाणी प्रतियोगिता-कनिष्ठ वर्ग दिग्विजयनाथ एलटी प्रशिक्षण महाविद्यालय, वरिष्ठ वर्ग महाराणा प्रताप इंटर कालेज, योगासन प्रतियोगिता-प्रताप आश्रम गोलघर, चित्रकला प्रतियोगिता-दिग्विजयनाथ पीजी कालेज, कबड्डी प्रतियोगिता बालक वर्ग (कनिष्ठ एवं वरिष्ठ) महाराणा प्रताप पालिटेक्निक गोरखनाथ में संपन्न होगी।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह-2025 के शुभारंभ समारोह को मुख्यमंत्री ने संबोधित किया

शताब्दी समारोह के लक्ष्य के साथ आत्ममंथन जरूरी : मुख्यमंत्री

महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा लें विद्यार्थी : डिमरी

शोभायात्रा में दिखा विरासत और विकास का संगम

संस्थापक समारोह में अतिथियों ने किया पुस्तक का विमोचन

राष्ट्र की संस्कृति समाप्त हो जाए तो वह अपनी एकात्मता व पहचान को खो देता है : योगी आदित्यनाथ

अंग्रेजी शासन में भारतीय संस्कारों पर आधारित शिक्षण संस्थान स्थापना सच्ची राष्ट्रसेवा : लेफ्टि. जनरल योगेंद्र

संस्थापक सप्ताह समारोह

'गोरक्षनगरी' में उतरा 'हिंदुस्तान'

- महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद से जुड़े शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों ने निकाली शोभायात्रा
- गोरखपुर की सड़कों पर दिखा अनुशासन, संस्कृति व विरासत के सम्मान का अद्भुत समन्वय

गांवों के कायाकल्प की मॉडल स्टडी बनकर उभरा मिशन मंझरिया

गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह-2025 का शुभारंभ

यह हमें नई एनर्जी देता है: योगी

मिशन मंझरिया ने मुख्यमंत्री योगी के मन को छुआ

- मुख्यमंत्री ने इसी गांव के प्रति संस्था की जिम्मेदारी का 'मडल स्टडी' बताते हुए खूब सराहना की
- बीएड के विद्यार्थियों ने शिक्षा स्वास्थ्य सुविधा से संतृप्त करने की दिशा में शानदार पहल की
- आत्मनिर्भर गांव से आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने में जुटा मिशन

गोरखपुर : 'मिशन मंझरिया' एक गांव के कायाकल्प का ऐसा अभियान है, जिसने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मन को छू लिया है। एमपीपीजी जंगल धूसड़ के बीएड विभाग की तरफ से गोद लिए गए इस गांव को बीएड के विद्यार्थियों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता व शासन की योजनाओं से संतृप्त करने की दिशा में शानदार पहल की है। गुरुवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम में सीएम योगी ने मिशन मंझरिया के रूप में महाराणा प्रताप महाविद्यालय की सेवा साधना को गांव के प्रति संस्था की जिम्मेदारी का 'मडल स्टडी' बताते हुए खूब सराहना की। इस दौरान उन्होंने मिशन मंझरिया की प्रगति रिपोर्ट स्मारिका का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री से मिली सराहना को लेकर महाविद्यालय के प्राचार्य डा. प्रदीप कुमार राव का कहना है कि मिशन मंझरिया की शुरुआत गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ही प्रेरणा से हुई थी। उनके मार्गदर्शन से ही महाविद्यालय ने समीप के गांवों को गोद लेकर ग्रामीणों की शैक्षिक, चिकित्सकीय सेवा और उन्हें आत्मनिर्भरता की राह दिखाने की शुरुआत मिशन मोड में की।

इसमें 2018 से वर्तमान तक मिशन मंझरिया बीएड विभाग की अद्वितीय उपलब्धि है। यह मिशन एक गांव में आठ प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से आत्मनिर्भर गांव से आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने में जुटा है।

महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की पहल : मिशन मंझरिया के तहत गांव की महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की दिशा में कार्य होता है।

इसमें बीएड की छात्राध्यापिकाओं द्वारा गांव की महिलाओं को सिलाई, कढ़ाई, पेंटिंग आदि का हुनर सिखाया जाता है। महिलाओं को खाद्य संरक्षण कार्यशाला के माध्यम से आम का स्क्वैश, मिक्स फ्रूट जैम, लहसुन, अदरक, हरी मिर्च के अचार बनाने का प्रशिक्षण दिया जाता है।

ऐसे होता है मिशन मंझरिया में काम

महाविद्यालय में बीएड विभाग की अध्यक्ष शिवा सिंह के अनुसार मंझरिया गांव में 178 परिवार हैं। यहां की आबादी 843 है। प्रत्येक परिवार को न सिर्फ मिशन के मूल उद्देश्यों से जोड़ा गया है, बल्कि उन्हें पात्रता के अनुसार केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं से भी आच्छादित कराया गया है। वर्ष 2018 में सर्वप्रथम बीएड विद्यार्थियों ने कक्षा एक से 10 तक के विद्यार्थियों को निशुल्क कोचिंग के नाम पर पढ़ाना शुरू किया। सप्ताह भर में ही करीब 80 विद्यार्थी पंजीकृत हुए और फिर शिक्षा सेवा का यह सिलसिला बढ़ता गया।

मिशन मंझरिया के तहत आचार बनाने का प्रशिक्षण प्राप्त करतीं महिलाएं। सौजन्य : स्वयं

-: महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक सप्ताह समारोह :-

एसडीआरएफ के उपाध्यक्ष ने किया महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह-2025 का शुभारंभ

भारत को विश्वगुरु बनने से कोई रोक नहीं सकता : ले. जनरल गुरमीत

गोरखपुर(एसएनबी)। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने कहा है कि युवा देश की सबसे बड़ी ताकत हैं। देश की 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष के नीचे की आयु की है। इस युवा पीढ़ी के दम पर वर्ष 2047 तक भारत को अर्थव्यवस्था एवं तकनीक के क्षेत्र में विश्व में प्रथम स्थान पर आने से, विश्वगुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता है।

- एमपीएसपी के संस्थापक सप्ताह समारोह के मुख्य महोत्सव में बोले उत्तराखंड के राज्यपाल
- भारत के युवाओं में भविष्य को आलोकित करने का सामर्थ्य
- कहा- असीमित सपने देखें, दृढ़ इच्छाशक्ति से पूरा करें

लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह बुधवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 93वें संस्थापक सप्ताह समारोह के मुख्य महोत्सव को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में आयोजित समारोह में उत्तराखंड के राज्यपाल ने कहा कि कहा कि भारत के युवाओं में जो सामर्थ्य है वह वर्तमान के साथ भविष्य को भी आलोकित करेगा। भारत के युवा 2047 के आत्मनिर्भर व विकसित भारत की आधारशिला हैं। श्री सिंह ने कहा कि हमारे ज्ञान के दम पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आगे चलकर आब्सल्यूट इंटेलिजेंस बनेगा और उसके उपरान्त यह कॉस्मिक इंटेलिजेंस का रूप लेगा, जो सनातन ज्ञान परंपरा का ही अंश होगा।

विजेता के जीत की आदत कभी खत्म नहीं होती : उत्तराखंड के राज्यपाल ने कहा कि यह समारोह हमें साहस, शौर्य व पराक्रम के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि सफलता उन्हीं को मिलती है जिनके पास साहस के साथ कार्य करने की क्षमता होती है।

विविधता ही भारत की एकता का आधार : लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने कहा कि भारत की विविधता ही भारत की एकता का आधार है। गुरुनानक देव जी ने गुरुग्रन्थ साहिब में सबसे पहला शब्द 'एकम' अर्थात एकता को रखा है। हमारी एकता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। देश को यदि विश्व का लीडर बनना है तो हमें अन्य लोगों की अपेक्षा अतिरिक्त कार्य करना पड़ेगा।

श्री सिंह ने युवाओं से से कहा कि वे अपने जीवन में खुली आंखों से असीमित सपने देखें और उसे पूरा करने के लिए अपने अंदर दृढ़ इच्छा शक्ति पैदा करें। उनकी सोच लाख से करोड़, करोड़ से बिलियन तथा बिलियन से ट्रिलियन की ओर बढ़ने की होनी चाहिए।

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व को मार्गदर्शन देने की भूमिका में: उत्तराखंड के राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत पूरे विश्व को मार्गदर्शन देने देने की भूमिका में शामिल हो चुका है।

महायोगी गोरखनाथ विवि.सभागार में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक समारोह के समापन के अवसर सम्बोधित करते मुख्य अतिथि उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह। फोटो : एसएनबी

पीएम मोदी ने विज्ञान, उद्योग, रक्षा अवसंरचना, अंतरिक्ष, ऊर्जा व सामाजिक न्याय के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए हैं। चन्द्रयान, गगनयान, डिजिटल भारत, सेमीकंडक्टर मिशन, आयुष्मान भारत, आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का माध्यम बने हैं। यह सब राष्ट्र के उत्थान का माध्यम है।

गोरखपुर सनातन धर्म की धुरी : श्री सिंह ने कहा कि गोरखपुर सनातन धर्म की वह धुरी है जहां साधना, संघर्ष, साहित्य के साथ संस्कृति एवं राष्ट्र के प्रति त्याग का भाव भी है। गोरखपुर में महायोगी गुरु गोरखनाथ जी ने धर्म, योग और आध्यात्म को लोक जीवन में प्रतिष्ठित कर भारत की सनातन चेतना को जन-जन तक पहुंचाया था। महंत दिग्विजयनाथ, महंत अवेद्यनाथ एवं अन्य महंतों ने भी जन चेतना को जनसेवा के साथ आगे बढ़ाया। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद उसी का एक हिस्सा है।

दृढ़ निश्चयी मुख्यमंत्री हैं योगी आदित्यनाथ: ले. जनरल गुरमीत सिंह : उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने कहा कि योगी आदित्यनाथ दृढ़ निश्चयी मुख्यमंत्री हैं। कई निर्णयों से उन्होंने उत्तर प्रदेश को माफिया, अपराध और गुंडाराज से मुक्ति दिलाई है। योगी जी के पास खोने के लिए कुछ नहीं है। उनका हर कार्य जन कल्याण के लिए है, जो सदैव राष्ट्र सर्वोपरि की भाव ज्योति को प्रज्वलित करते हैं।

समारोह के दौरान उत्तराखंड के राज्यपाल को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष राजेश मोहन सरकार ने उत्तरीय और स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर श्री सिंह ने शिक्षा परिषद के लिए अपने साथ लाए स्मृतिचिन्ह को श्री सरकार को भेंट किया।

युवाओं को ड्रग्स व स्मार्टफोन के नशे से बचना होगा : योगी

आज युवाओं के सामने दो चुनौतियां सामने हैं, एक ड्रग्स का नशा और दूसरा मोबाइल या स्मार्टफोन का नशा जिन्हें इन दोनों नशों से बचना होगा। नशा से युवा जितना बच पाएंगे उतना ही खुद को और देश के भविष्य को भी बचा पाएंगे। नशे से बचकर ही युवा अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन कर पाएंगे। अकादमिक संस्थाओं को भी इसके प्रति उतना ही अलर्ट रहना पड़ेगा।

समारोह में सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ मुख्य अतिथि उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का 93वां संस्थापक सप्ताह समारोह संपन्न

किसी न किसी रूप में घुसना चाहता है देश का दुश्मन

गोरखपुर(एसएनबी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज युवाओं के सामने दो चुनौतियां मुख्य हैं। एक ड्रग्स का नशा और दूसरा स्मार्टफोन का नशा। इन दोनों नशों से बचना होगा। इनसे युवा जितना बच पाएंगे, उतना ही खुद को और देश के भविष्य को भी बचा पाएंगे। नशे से बचकर ही युवा अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन कर सकेंगे।

सीएम योगी बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 93वें संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन पर आयोजित मुख्य महोत्सव की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने युवाओं को मोबाइल फोन के नशे से दूर रहने की सलाह दी। एक शिक्षक और अभिभावक के रूप में मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि आपको सतर्क रहना होगा क्योंकि नशा माफिया तेजी के साथ युवा पीढ़ी को अपनी चपेट में लेने का कुत्सित प्रयास करता है।

नए यूपी में खेती-किसानी अब निराशा नहीं, नवआशा की प्रतीक : सीएम

लखनऊ (एसएनबी)। मुख्यमंत्री ने कहा है कि नए उत्तर प्रदेश में खेती-किसानी अब निराशा नहीं, नवआशा की प्रतीक है। उन्होंने कहा कि किसान वही, मेहनत वही, खेत वही, प्रशासन वही, अधिकारी वही, इच्छाशक्ति वही फिर क्या वजह थी कि परमात्मा एवं प्रकृति की असीम कृपा वाले उत्तर प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकारों में किसान अपनी अपेक्षा के मुताबिक उत्पादन करने की बजाय आत्महत्या को मजबूर हो रहे थे। -पेज 2

अकादमिक संस्थाओं को भी इसके प्रति उतना ही अलर्ट रहना पड़ेगा। सीएम योगी ने कहा कि युवाओं को इसके खिलाफ एक नई लड़ाई लड़ने के लिए अपने आप को तैयार करना पड़ेगा क्योंकि देश का दुश्मन किसी न किसी रूप में आपके बीच में घुसना चाहता है। उसको हम अवसर न दें।

मस्तिष्क को कुंद कर देगा स्मार्टफोन का अत्यधिक उपयोग: मुख्यमंत्री ने कहा कि स्मार्टफोन पर युवाओं का अत्यधिक समय खर्च हो रहा है, जिसे धीरे-धीरे कम करिए। स्मार्टफोन का अत्यधिक प्रयोग आपकी दृष्टि को प्रभावित करेगा। मस्तिष्क को कुंद कर देगा, बुद्धि, विवेक और शारीरिक क्षमता को भी कमजोर कर देगा।

संस्थाओं और मेधावियों को किया गया पुरस्कृत

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक समारोह के समापन के अवसर पर पुरस्कार देते तथा पुस्तक का विमोचन करते मुख्यअतिथि उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व अन्य।

गोरखपुर(एसएनबी)। संस्थापक सप्ताह के मुख्य समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की संस्थाओं में से उत्कृष्ट संस्था, सर्वश्रेष्ठ शिक्षक, कर्मचारी, परिचारक और साथ ही स्नातकोत्तर, स्नातक एवं हाईस्कूल-इंटर के मेधावी विद्यार्थियों तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया। मंच से करीब डेढ़ सौ पुरस्कार वितरित किए गए। करीब सात सौ पुरस्कार, संस्थाओं के माध्यम से वितरित किए जाएंगे।

प्रो.यूपी सिंह स्मृति ग्रंथ सहित दो पुस्तकों का हुआ विमोचन : संस्थापक समारोह के मुख्य महोत्सव में उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के पूर्व अध्यक्ष प्रो. यूपी सिंह स्मृति ग्रंथ और एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़ की पुस्तक 'जीवन मूल्य प्रबंध पर संक्षम पाठ्यक्रम' का विमोचन हुआ। इस दौरान सीएम योगी ने प्रो. यूपी सिंह स्मृति ग्रंथ की प्रकाशन संस्था प्लाक्षा के प्रबंध निदेशक सौरभ सिंह को स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया।

संस्थापक सप्ताह के मुख्य महोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह में स्वागत संबोधन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, आभार ज्ञापन महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष राजेश मोहन सरकार और संचालन डॉ. श्रीभगवान सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, महायोगी गुरु गोरखनाथ राज्य आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के. रामचंद्र रेड्डी, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर की कुलपति प्रो. कविता शाह, मां विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय मीरजापुर की कुलपति प्रो. शोभा गौड़, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक फतेह बहादुर सिंह, राजेश त्रिपाठी, विपिन सिंह, महेंद्रपाल सिंह, डॉ. विमलेश पासवान, प्रदीप शुक्ल, सरवन निषाद, गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, देवीपाटन शक्तिपीठ के महंत मिथिलेशनाथ, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास, मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, गोरखपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. वीके सिंह, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सभी पदाधिकारी व सदस्य, परिषद से जुड़ी शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों, शिक्षकों व विद्यार्थियों की सहभागिता रही।

हिन्दुस्तान

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह में बोले सीएम

नशे से बचें तो ही भविष्य बना पाएंगे युवा : योगी

गोरखपुर, कार्यालय संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि आज युवाओं के सामने दो चुनौतियां सामने हैं। एक ड्रग्स और दूसरा मोबाइल या स्मार्टफोन का नशा। इन दोनों से युवा जितना बच पाएंगे, उतना ही खुद और देश के भविष्य को भी बना पाएंगे।

योगी बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम के प्रेक्षागृह में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 93वें संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने युवाओं को मोबाइल फोन के नशे से दूर रहने की सलाह दी।

मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि उन्हें सतर्क रहना होगा क्योंकि नशा माफिया तेजी के साथ युवा पीढ़ी को अपनी चपेट में लेने का कुत्सित प्रयास करता है। अकादमिक संस्थाओं को भी इसको लेकर उतना ही अलर्ट रहना पड़ेगा। युवाओं को इसके खिलाफ एक नई लड़ाई लड़ने के लिए अपने आप को तैयार करना पड़ेगा क्योंकि देश का दुश्मन किसी न किसी रूप में आपके बीच में घुसना चाहता है। उसको हम अवसर न दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ड्रोन और रोबोटिक्स के एक नए युग में प्रवेश कर चुकी है > संस्थापक समारोह P04

ड्रग्स के साथ स्मार्टफोन का नशा भी युवाओं के सामने बड़ी चुनौती

गोरखपुर में बुधवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन अवसर पर पुरस्कार वितरित करते मुख्य अतिथि उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। • हिन्दुस्तान

93 वें संस्थापक सप्ताह समारोह का समापन हो गया बुधवार को

तकनीक से खुद जुड़ जाएंगे रोजगार के नए अवसर

समय और तकनीक के साथ चलते हुए भविष्य की चुनौतियों के लिए खुद को तैयार करने की सीख देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अब हमें उस मानसिकता से भी उबरना पड़ेगा कि तकनीक आएगी तो रोजगार के अवसर कम करेगी। यह तथ्य सही नहीं है बल्कि तकनीक आएगी रोजगार के नए अवसर अपने आप ही जुड़ जाएंगे। हमें अपने आप को उसके अनुरूप तैयार करना होगा।

'भारत को विश्वगुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता'

- उत्तराखंड के राज्यपाल ने कहा, युवा सबसे बड़ी ताकत
- देश की 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष की उम्र के नीचे

गोरखपुर, कार्यालय संवाददाता। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी ताकत है। देश की 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष के नीचे की आयु की है। युवा पीढ़ी के दम पर वर्ष 2047 तक भारत को अर्थव्यवस्था एवं तकनीक के क्षेत्र में विश्व में प्रथम स्थान पर आने से, विश्वगुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता है।

लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह बुधवार को एमपी शिक्षा परिषद के 93वें संस्थापक सप्ताह समारोह के मुख्य महोत्सव को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज का युग अवसरों का युग है। इस अवसर का हमें बेहतरीन उपयोग करना चाहिए। श्री सिंह ने कहा कि हम सब भारतीयों के डीएनए में सभ्यता, संस्कृति, वेद, उपनिषद एवं पुराणों का ज्ञान समाहित है जो तकनीकी रूप से हमको सक्षम बनाता है। हमारे ज्ञान के दम पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आगे चलकर आब्सल्यूट इंटेलिजेंस बनेगा और उसके उपरान्त यह कॉस्मिक इंटेलिजेंस का रूप लेगा। कॉस्मिक इंटेलिजेंस सनातन ज्ञान परंपरा का ही अंश होगा। > संबंधित खबर P04

स्मार्टफोन का अधिक इस्तेमाल ड्रग के नशे के समान, बचने की जरूरत : सीएम योगी

युवाओं को परिवार, समाज व राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्वों के निर्वहन के लिए किया प्रेरित

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्मार्टफोन के अधिक इस्तेमाल को एक तरह का नशा बताते हुए इसे ड्रग के नशे के साथ जोड़ा। दोनों तरह के नशे को युवाओं के लिए समान चुनौती मानते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को इन दोनों से बचना होगा। नशे से बचकर ही युवा परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन कर पाएंगे। मुख्यमंत्री बुधवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 93वें संस्थापक सप्ताह समारोह के मुख्य महोत्सव में अध्यक्षीय संबोधन दे रहे थे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में आयोजित महोत्सव के मंच से एक शिक्षक और अभिभावक के रूप में मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि नशा माफिया तेजी से युवा पीढ़ी को अपनी चपेट में लेने का कुत्सित प्रयास करते हैं। इसे लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने अकादमिक संस्थाओं को भी इसके लिए सजग रहने की नसीहत दी। योगी ने कहा कि युवाओं को इसके खिलाफ एक नई लड़ाई लड़ने के लिए खुद को तैयार करना होगा, क्योंकि देश का दुश्मन किसी न किसी रूप में आपके बीच में घुसना चाहता है। मुख्यमंत्री ने युवाओं को स्मार्टफोन पर कम समय देने का रास्ता भी सुझाया। समझाया कि अचानक इस अवधि को कम कर पाना मुश्किल होगा, इसलिए यह कार्य धीरे-धीरे करना होगा। इसके लिए समय तय करना होगा। अति आवश्यक होने पर ही स्मार्टफोन का इस्तेमाल सुनिश्चित करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा, स्मार्टफोन का अत्यधिक उपयोग आपकी आंखों को प्रभावित करेगा। मस्तिष्क को कुंद कर देगा। बुद्धि, विवेक और शारीरिक क्षमता को भी वह पूरी तरह कमजोर कर देगा।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते सीएम योगी आदित्यनाथ • जागरण

- महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 93वें संस्थापक सप्ताह समारोह में बोले मुख्यमंत्री
- कहा, अति आवश्यक कार्य होने पर ही युवाओं को मोबाइल फोन का उपयोग करने की दें अनुमति

संबंधित खबर » जागरण सिटी।

संस्थाओं और मेधावियों को किया गया पुरस्कृत

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक समारोह के समापन के अवसर पर पुरस्कार देते तथा पुस्तक का विमोचन करते मुख्यअतिथि उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व अन्य।

1932 में बीजारोपित एमपी शिक्षा परिषद अब वटवृक्ष

समारोह में पूर्व कुलपति प्रो .यूपी सिंह की स्मृति में लिखित पुस्तक का विमोचन करते मुख्य अतिथि उत्तराखंड के राज्यपाल ले.जनरल गुरमीत सिंह, साथ में मुख्यमंत्री योगी महापौर, शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष राजेश मोहन सरकार व अन्य • जागरण

एनसीसी कैडेट को पुरस्कृत करते उत्तराखंड राज्यपाल ले.जनरल गुरमीत सिंह, साथ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व अन्य • जागरण

युवाओं को राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों के निर्वहन की सीएम ने दी सीख

जासं, गोरखपुरः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 93वें संस्थापक सप्ताह समारोह के मुख्य महोत्सव में युवाओं को राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों के निर्वहन की सीख दी। समय और तकनीक के साथ चलते हुए भविष्य की चुनौतियों के लिए खुद को तैयार करने की सीख देते हुए मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि दुनिया आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट आफ थिंग्स, ड्रोन और रोबोटिक्स के एक नए युग में प्रवेश कर चुकी है। कोई भी व्यक्ति उससे अपने आप को अलग नहीं कर सकता। हमें ऐसा करना भी नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें उस मानसिकता से भी उबरना होगा कि तकनीक आएगी तो रोजगार के अवसर कम करेगी। यह तथ्य सही नहीं है, बल्कि तकनीक आएगी तो रोजगार के नए अवसर अपने आप जुड़ जाएंगे। हमें खुद को उसके अनुरूप शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार करना होगा।

ड्रग्स-स्मार्टफोन से दूरी बचाएगी युवाओं व देश के भविष्य को

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 93वें संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन पर बोले सीएम

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज युवाओं के सामने दो चुनौतियां हैं। एक ड्रग्स का नशा और दूसरा स्मार्टफोन। इन दोनों से बचना होगा। इनसे युवा जितना बच पाएंगे, उतना ही खुद को और देश के भविष्य को भी बचा पाएंगे। नशे से बचकर ही युवा अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्वों का निर्वहन कर पाएंगे।

सीएम योगी बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 93वें संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन अवसर पर आयोजित मुख्य महोत्सव की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने युवाओं को मोबाइल फोन के नशे से दूर रहने की सलाह दी।

संस्थापक सप्ताह समापन समारोह में सीएम। संवाद

सीएम ने युवाओं से कहा कि आपको सतर्क रहना होगा। नशा माफिया तेजी के साथ युवा पीढ़ी को अपनी चपेट में लेने का प्रयास करता है। अकादमिक संस्थाओं को भी इसके प्रति उतना ही अलर्ट रहना पड़ेगा। युवाओं को नई लड़ाई लड़ने के लिए अपने आप को तैयार करना पड़ेगा, क्योंकि दुश्मन किसी न किसी रूप में घुसना चाहता है। ब्यूरो

मस्तिष्क को कुंद कर देगा स्मार्टफोन का अत्यधिक उपयोग

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्मार्टफोन पर युवाओं का अत्यधिक समय खर्च हो रहा है, इसको कम करना होगा। आवश्यक हो तभी आधा या एक घंटा तक ही मोबाइल का इस्तेमाल करिए। स्मार्टफोन का उपयोग आपकी आंखों को प्रभावित करेगा। मस्तिष्क को कुंद कर देगा। बुद्धि, विवेक और शारीरिक क्षमता को भी यह पूरी तरह कमजोर कर देगा।

>> एमपी शिक्षा परिषद अब वटवृक्ष : पेज 5

हिन्दुस्तान

विविधता ही भारत की एकता का आधार : जनरल गुरमीत सिंह

गोरखपुर, कार्यालय संवाददाता। लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने कहा कि भारत की विविधता ही भारत की एकता का आधार है। गुरुनानक देव ने गुरुग्रन्थ साहिब में सबसे पहला शब्द 'एकम' अर्थात एकता को रखा है। हमारी एकता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। हमारी अलग वेशभूषा, परंपरा, रीति-रिवाज व भाषा है पर हम सबका एक भाव भारतीयता का है। राष्ट्र हमारा धर्म व सेवा हमारी उपासना है।

उन्होंने कहा कि देश को यदि विश्व का लीडर बनाना है तो हमें अन्य लोगों की अपेक्षा अतिरिक्त कार्य करना पड़ेगा। बिना परिश्रम कुछ भी प्राप्त नहीं हो सकेगा। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 93वें संस्थापक समारोह हमें साहस, शौर्य व पराक्रम के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि एक विजेता के जीत की आदत कभी खत्म नहीं होती। जीवन में एक सफलता ही दूसरे सफलता को जन्म देती है। सफलता उन्हीं को मिलती है जिनके पास साहस के साथ कार्य करने की क्षमता होती है। कहा कि हमारी प्रतिस्पर्धा स्वयं के साथ है। यदि हम स्वयं को पहचानेंगे तो ही हम जीवन में राजा बन पायेंगे।

मेयर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक फतेह बहादुर सिंह, राजेश त्रिपाठी, विपिन सिंह, महेंद्रपाल सिंह, डॉ. विमलेश पासवान, प्रदीप शुक्ल, सरवन निषाद, मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, देवीपाटन शक्तिपीठ के महंत मिथिलेशनाथ, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास, सीएम के सलाहकार अवनीश अवस्थी आदि मौजूद रहे।

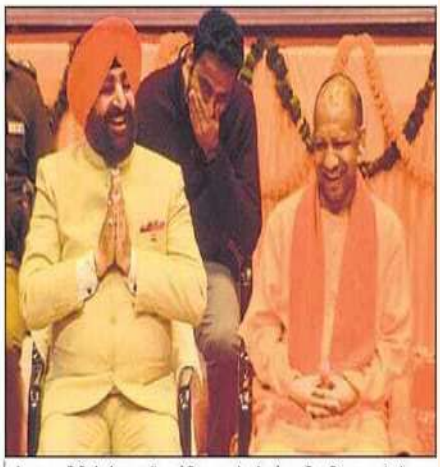

गोरखनाथ विवि के प्रेक्षागृह में आयोजित समारोह के दौरान खिलखिलाकर हंसते उत्तराखण्ड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह व सीएम योगी आदित्यनाथ।

दृढ़ निश्चयी मुख्यमंत्री हैं योगी आदित्यनाथ

मुख्य अतिथि उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने कहा कि योगी आदित्यनाथ, दृढ़ निश्चयी मुख्यमंत्री हैं। कड़े निर्णयों से उन्होंने उत्तर प्रदेश को माफिया, क्राइम और गुंडाराज से मुक्ति दिलाई है। उन्होंने कहा कि यूपी के सीएम के पास खोने के लिए कुछ नहीं है। उनका हर कार्य जन कल्याण के लिए है।

सपने पूरा करने को पैदा करें दृढ़ इच्छाशक्ति

श्री सिंह ने युवाओं से से कहा कि वे अपने जीवन में खुली आंखों से असीमित सपने देखें और उसे पूरा करने के लिए अपने अंदर दृढ़ इच्छा शक्ति पैदा करें। वे अपनी सोच, विचार और धारणा के स्तर को ऊंचा बनाएं। उनकी सोच लाख से करोड़, करोड़ से बिलियन तथा बिलियन से ट्रिलियन की ओर बढ़ने की होनी चाहिए।

गोरखपुर सनातन धर्म की धुरी : राज्यपाल

श्री सिंह ने कहा कि अंत शब्द ही संत और महंत को जन्म देता है। गोरखपुर सनातन धर्म की वह धुरी है जहां साधना, संघर्ष, साहित्य के साथ संस्कृति एवं राष्ट्र के प्रति त्याग का भाव भी है। गोरखपुर में महायोगी गुरु गोरखनाथ ने धर्म, योग और आध्यात्म को लोक जीवन में प्रतिष्ठित कर भारत की सनातन चेतना को जन-जन तक पहुंचाया था। महंत दिग्विजयनाथ, महंत अवेद्यनाथ एवं अन्य महंतों ने भी जन चेतना को जनसेवा के साथ आगे बढ़ाया। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद उसी का एक हिस्सा है। समारोह के दौरान उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष राजेश मोहन सरकार ने उत्तरीय और स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर श्री सिंह ने शिक्षा परिषद के लिए अपने साथ लाए स्मृतिचिन्ह को राजेश मोहन को भेंट किया।

हिन्दुस्तान

गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 93वें संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह और सीएम योगी आदित्यनाथ के हाथों पुरस्कृत किए गए विजेता प्रतिभागी।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 93वें संस्थापक सप्ताह समारोह के मुख्य महोत्सव में बोले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

हिम्मत न हारने वाले की होती है जीत : योगी

150 पुरस्कार वितरित किए गए मंच से | **700** पुरस्कार संस्था के जरिए दिए जाएंगे | **02** पुस्तकों का हुआ विमोचन समारोह के दौरान

गोरखपुर, कार्यालय संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जीवन में जीतता वही है जो हिम्मत नहीं हारता है और धैर्य बनाए रखता है। उन्होंने कहा कि जीवन में हार तभी होती है जब हम हमारा दृष्टिकोण नकारात्मक होता है। दूसरों को कोसने की बजाय हर व्यक्ति मिलकर एक साथ आगे बढ़ने लग जाए तो कहीं भी अंधकार नहीं रहेगा।

सीएम योगी बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 93वें संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन पर आयोजित मुख्य महोत्सव को संबोधित कर रहे थे।

अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने युवाओं को स्मार्ट फोन के इस्तेमाल को लेकर भी समझाया। उन्होंने कहा कि स्मार्टफोन का इस्तेमाल एकाएक कम कर पाना कठिन होगा, इसलिए धीरे-धीरे कम करिए। आवश्यक हो तभी आधा या एक घंटा, तक ही आप मोबाइल फोन का इस्तेमाल करिए। समय तय करिए कि मुझे जब आवश्यक बात करनी है तभी बात करूंगा, अनावश्यक नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा स्मार्टफोन का अत्यधिक उपयोग आपकी आंख की साइट को प्रभावित करेगा। मस्तिष्क को कुंद कर देगा, बुद्धि, विवेक और शारीरिक क्षमता को भी यह पूरी तरह कमजोर कर देगा। इसलिए स्मार्टफोन से जितना बच सकते हैं, बचने की कोशिश करें।

संस्थापक सप्ताह के मुख्य महोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह में स्वागत संबोधन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, आभार ज्ञापन महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष राजेश मोहन सरकार और संचालन डॉ. श्रीभगवान सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, महायोगी गुरु गोरखनाथ राज्य आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के. रामचंद्र रेड्डी, सिद्धार्थ विवि कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर की कुलपति प्रो. कविता शाह, मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय मीरजापुर की कुलपति प्रो. शोभा गौड़, भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, गोरखपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. वीके सिंह, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सभी पदाधिकारी व सदस्य, परिषद से जुड़ी शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों, शिक्षकों व छात्रों की सहभागिता रही।

संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन अवसर पर विजेता को सम्मानित करते मुख्य अतिथि उत्तराखण्ड के राज्यपाल व सीएम योगी।

बुधवार को संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह को सम्मानित करते राजेश मोहन। • हिन्दुस्तान

शॉर्ट कट जीवन में कभी सफलता नहीं दे सकता

नसीहत

गोरखपुर, कार्यालय संवाददाता। सीएम योगी ने स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और टीम वर्क का महत्व समझाते हुए कहा कि यह केवल एक गेम में नहीं बल्कि पूरी जनरेशन में उपयोगी होता है। हमें अपने आप को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से, टीम वर्क से जोड़ना पड़ेगा। कहा कि यह भी याद रखना होगा, शॉर्ट कट का रास्ता कभी जीवन में सफलता नहीं प्रदान कर सकता है।

उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति और संस्था को हमेशा इस बात के लिए तैयार होना होगा कि तकनीक जितना आसान जीवन को कर रही है, उतनी ही चुनौतियां और कठिनाई भी हमारे सामने प्रस्तुत कर रही है। युवाओं और अकादमिक संस्थाओं को उसके प्रति अपने आप को तैयार करना होगा।

प्रो. यूपी सिंह स्मृति ग्रंथ सहित दो पुस्तकों का विमोचन

संस्थापक समारोह के मुख्य महोत्सव में उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के पूर्व अध्यक्ष प्रो. यूपी सिंह स्मृति ग्रंथ और एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़ की पुस्तक 'जीवन मूल्य प्रमाण पत्र संग्रह पाठ्यक्रम' का विमोचन हुआ। इस दौरान सीएम योगी ने प्रो. यूपी सिंह स्मृति ग्रंथ की प्रकाशन संस्था प्लाक्षा के प्रबंध निदेशक सौरभ सिंह को स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया।

संस्थाओं और मेधावियों को किया गया पुरस्कृत : संस्थापक सप्ताह के मुख्य समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की संस्थाओं में से उत्कृष्ट संस्था, उत्कृष्ट शिक्षक, उत्कृष्ट कर्मचारी, उत्कृष्ट परिचारक और स्नातकोत्तर, स्नातक एवं हाईस्कूल-इंटर के उत्कृष्ट विद्यार्थियों तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

मंच से करीब डेढ़ सौ पुरस्कार वितरित किए गए। जबकि करीब सात सौ पुरस्कार, संस्थाओं के माध्यम से वितरित किए जाएंगे।

सामाजिक चेतना और नैतिकता से जुड़ा विषय है यौन उत्पीड़न : अश्विनी

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की अष्टावक्र इकाई द्वारा में 'यौन उत्पीड़न रोकथाम एवं निवारण' विषय पर बुधवार को जागरूकतापरक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि समाजसेवी अश्विनी कुमार ने कहा कि यौन उत्पीड़न केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और नैतिकता से जुड़ा विषय है।

■ एमजीयूजी के आयुर्वेद कालेज में 'यौन उत्पीड़न रोकथाम एवं निवारण' विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन

अश्विनी कुमार ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (निवारण, निषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम की मूल भावना पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कानून का उद्देश्य दंड देना ही नहीं, बल्कि सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना है। इसमें समाज और व्यक्ति के संस्कार महत्वपूर्ण होते है। भारतीय परिप्रेक्ष्य तथा ज्ञान परंपरा में बारम्बार संस्कार और चरित्र निर्माण विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा शिक्षण संस्थाओं के महत्वपूर्ण गतिविधि थे। इस संस्कृति का विलोप होने से इस तरह के अपराध बढ़ते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपनी दिनचर्या व्यवस्थित रखे, संगत ठीक रखे, इस तरह के विचारों को मन मस्तिष्क में स्थान न दे। परस्पर सम्मान की संस्कृति विकसित करें और किसी भी प्रकार के अनुचित आचरण के विरुद्ध निर्भीक होकर लड़े। साथ ही, उन्होंने संस्थानों में आंतरिक शिकायत समिति की भूमिका को भी रेखांकित किया। अध्यक्षीय भाषण देते हुए आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. गिरिधर वेदांतम ने कहा कि चिकित्सा एवं शैक्षणिक संस्थान केवल ज्ञानार्जन के केंद्र नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और मानवीय मूल्यों के संवाहक भी होते हैं। उन्होंने कहा कि यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए कानून के साथ-साथ नैतिक शिक्षा, संवेदनशील संवाद और सकारात्मक संस्थागत संस्कृति आवश्यक है। कार्यक्रम संयोजक एवं रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय ने कहा कि यौन उत्पीड़न रोकथाम जैसे विषयों पर संवाद करना आज की आवश्यकता है, ताकि युवा पीढ़ी सुरक्षित, जागरूक और संवेदनशील नागरिक बन सके।

सामाजिक चेतना और नैतिकता से जुड़ा विषय है यौन उत्पीड़न : अश्विनी

एमजीयूजी के आयुर्वेद कालेज में हायौन उत्पीड़न रोकथाम एवं निवारणह्न विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन

गोरखपुर (न.अ.प्र.)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की अष्टावक्र इकाई द्वारा में हायौन उत्पीड़न रोकथाम एवं निवारणह्न विषय पर बुधवार को जागरूकतापरक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि समाजसेवी अश्विनी कुमार ने कहा कि यौन उत्पीड़न केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और नैतिकता से जुड़ा विषय है।

अश्विनी कुमार ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (निवारण, निषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम की मूल भावना पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कानून का उद्देश्य दंड देना ही नहीं, बल्कि सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना है। इसमें समाज और व्यक्ति के संस्कार महत्वपूर्ण होते है। भारतीय परिप्रेक्ष्य तथा ज्ञान परंपरा में बारम्बार संस्कार और चरित्र निर्माण विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा शिक्षण संस्थाओं के महत्वपूर्ण गतिविधि थे। इस संस्कृति का विलोप होने से इस तरह के अपराध बढ़ते हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपनी दिनचर्या व्यवस्थित रखे, संगत ठीक रखे, इस तरह के विचारों को मन मस्तिष्क में स्थान न दे। परस्पर सम्मान की संस्कृति विकसित करें और किसी भी प्रकार के अनुचित आचरण के विरुद्ध निर्भीक होकर लड़े। साथ ही, उन्होंने संस्थानों में आंतरिक शिकायत समिति की भूमिका को भी रेखांकित किया।

अध्यक्षीय भाषण देते हुए आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने कहा कि चिकित्सा एवं शैक्षणिक संस्थान केवल ज्ञानार्जन के केंद्र नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और मानवीय मूल्यों के संवाहक भी होते हैं। उन्होंने कहा कि यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए कानून के साथ-साथ नैतिक शिक्षा, संवेदनशील संवाद और सकारात्मक संस्थागत संस्कृति आवश्यक है। कार्यक्रम संयोजक एवं रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय ने कहा कि यौन उत्पीड़न रोकथाम जैसे विषयों पर संवाद करना आज की आवश्यकता है, ताकि युवा पीढ़ी सुरक्षित, जागरूक और संवेदनशील नागरिक बन सके।

आयुर्वेद कालेज की कमेटी अगेंस्ट सेक्सुअल हरासमेंट की वरिष्ठ सदस्य डॉ. विष्णुमाया ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया। संचालन शिवांश ने किया। कार्यक्रम में डॉ रश्मि पुष्पन, डॉ संध्या, डॉ नवोदय राजू, डॉ विनम्र, डॉ अर्पित, डॉ ब्रह्मदेव सहित सभी प्राध्यापकगण, चिकित्सक, विद्यार्थी एवं अष्टावक्र इकाई, आत्रेय इकाई, और भारद्वाज इकाई के स्वयंसेवकों की सक्रिय सहभागिता रही।

सामाजिक चेतना और नैतिकता से जुड़ा विषय है यौन उत्पीड़न : अश्विनी

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की अष्टावक्र इकाई द्वारा में 'यौन उत्पीड़न रोकथाम एवं निवारण' विषय पर बुधवार को जागरूकतापरक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि समाजसेवी अश्विनी कुमार ने कहा कि यौन उत्पीड़न केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और नैतिकता से जुड़ा विषय है। अश्विनी कुमार ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (निवारण, निषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम की मूल भावना पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कानून का उद्देश्य दंड देना ही नहीं, बल्कि सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना है। इसमें समाज और व्यक्ति के संस्कार महत्वपूर्ण होते है। कार्यक्रम संयोजक एवं रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय ने कहा कि यौन उत्पीड़न रोकथाम जैसे विषयों पर संवाद करना आज की आवश्यकता है, ताकि युवा पीढ़ी सुरक्षित, जागरूक और संवेदनशील नागरिक बन सके। आयुर्वेद कालेज की कमेटी अगेंस्ट सेक्सुअल हरासमेंट की वरिष्ठ सदस्य डॉ. विष्णुमाया ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया। संचालन शिवांश ने किया। कार्यक्रम में डॉ रश्मि पुष्पन, डॉ संध्या, डॉ नवोदय राजू, डॉ विनम्र, डॉ अर्पित, डॉ ब्रह्मदेव सहित सभी प्राध्यापकगण, चिकित्सक, विद्यार्थी एवं अष्टावक्र इकाई, आत्रेय इकाई, और भारद्वाज इकाई के स्वयंसेवकों की सक्रिय सहभागिता रही।

सामाजिक चेतना और नैतिकता से जुड़ा विषय है यौन उत्पीड़न

गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) में बुधवार को अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। विषय था–'यौन उत्पीड़न रोकथाम एवं निवारण'। अश्विनी कुमार ने कहा कि यौन उत्पीड़न केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और नैतिकता से जुड़ा विषय है। आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक्र इकाई का था।

अश्विनी कुमार ने कहा कि कानून का उद्देश्य दंड देना ही नहीं, बल्कि सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना है। इसमें समाज और व्यक्ति के संस्कार महत्वपूर्ण होते हैं। अध्यक्षता आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. गिरिधर वेदांतम ने की। शिवांश ने संचालन व डा. विष्णु माया ने आभार प्रकट किया।

इस अवसर पर आचार्य साध्वीनन्दन पांडेय, डा. रश्मि पुष्पन, डा. संध्या, डा. नवोदय राजू, डा. विनम्र, डा. अर्पित, डा. ब्रह्मदेव उपस्थित रहे। विज्ञप्ति।

लखनऊ– गोरखपुर रेलमार्ग के ओवरब्रिज की कुल लंबाई 800. मार्ग शहर के व्यस्ततम मार्गों में आने–जाने वाले लोगों की यात्रा कमतर सुनाई देगी। घर की महिला अभिभावक भी क

सामाजिक चेतना और नैतिकता से जुड़ा विषय है यौन उत्पीड़न: अश्विनी

'एमजीयूजी के आयुर्वेद कालेज में 'यौन उत्पीड़न रोकथाम एवं निवारण' विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन'

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की अष्टावक्र इकाई द्वारा में 'यौन उत्पीड़न रोकथाम एवं निवारण' विषय पर बुधवार को जागरूकतापरक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि समाजसेवी अश्विनी कुमार ने कहा कि यौन उत्पीड़न केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और नैतिकता से जुड़ा विषय है। अश्विनी कुमार ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (निवारण, निषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम की मूल भावना पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कानून का उद्देश्य दंड देना ही नहीं, बल्कि सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना है। इसमें समाज और व्यक्ति के संस्कार महत्वपूर्ण होते है। भारतीय परिप्रेक्ष्य तथा ज्ञान परंपरा में बारम्बार संस्कार और चरित्र निर्माण विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा शिक्षण संस्थाओं के महत्वपूर्ण गतिविधि थे। इस संस्कृति का विलोप होने से इस तरह के अपराध बढ़ते हैं। उन्होंने

विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपनी दिनचर्या व्यवस्थित रखे, संगत ठीक रखे, इस तरह के विचारों को मन मस्तिष्क में स्थान न दे। परस्पर सम्मान की संस्कृति विकसित करें और किसी भी प्रकार के अनुचित आचरण के विरुद्ध निर्भीक होकर लड़े। साथ ही, उन्होंने संस्थानों में आंतरिक शिकायत समिति की भूमिका को भी रेखांकित किया। अध्यक्षीय भाषण देते हुए आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने कहा कि चिकित्सा एवं शैक्षणिक संस्थान केवल ज्ञानार्जन के केंद्र नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और मानवीय मूल्यों के संवाहक भी होते हैं। उन्होंने कहा कि यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए कानून के साथ–साथ नैतिक शिक्षा, संवेदनशील संवाद और सकारात्मक संस्थागत संस्कृति आवश्यक है। कार्यक्रम संयोजक एवं रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय ने कहा कि यौन उत्पीड़न रोकथाम जैसे विषयों पर संवाद करना आज की आवश्यकता है, ताकि युवा पीढ़ी सुरक्षित, जागरूक और संवेदनशील नागरिक बन सके। आयुर्वेद कालेज की कमेटी अगेंस्ट सेक्सुअल हरासमेंट की वरिष्ठ सदस्य डॉ. विष्णुमाया ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया। संचालन शिवांश ने किया। कार्यक्रम में डॉ रश्मि पुष्पन, डॉ संध्या, डॉ नवोदय राजू, डॉ विनम्र, डॉ अर्पित, डॉ ब्रह्मदेव सहित सभी प्राध्यापकगण, चिकित्सक, विद्यार्थी एवं अष्टावक्र इकाई, आत्रेय इकाई,और भारद्वाज इकाई के स्वयंसेवकों की सक्रिय सहभागिता रही।

निर्माणाधीन परिसर

01 निर्माणाधीन क्रीडांगन

02 निर्माणाधीन फार्मेसी संकाय

03 निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज

04 निर्माणाधीन शिक्षक आवास

05 विश्वविद्यालय परिसर का वायवीय दृश्य

आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

निर्माणाधीन परिसर

01 माननीय कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ जी महाराज

02 माननीय कुलाधिपति एवं मुख्य अतिथि ले. ज. गुरमित सिंह

03 मुख्य अतिथि ले. ज. गुरमित सिंह

04 मुख्य अतिथि ले. ज. गुरमित सिंह पुरस्कार वितरित करते हुए

05 माननीय कुलपति एवं डॉ. जी. एन. सिंह

06 माननीय कुलपति एनसीसी कैडेट को पुरस्कार देते हुए

प्रधान सम्पादक
डॉ. विमल कुमार दूबे

सम्पादक
आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय

संपादक मण्डल
श्री रोहित श्रीवास्तव, डॉ. अनुपमा ओझा

ग्राफिक्स डिजाइनर : श्री शारदानन्द पाण्डेय

mguniversitygkp@mgug.ac.in
https://www.mgug.ac.in/
+91-9415266014, +91-9935904499, +91-9794299451
Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur